

वार्षिक प्रतिवेदन
2011-2012



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, अभिकल्पना और विनिर्माण
कांचीपुरम

निदेशक रिपोर्ट



अभिकल्पना एवं विनिर्माण उन्मुख इंजीनियरिंग शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में महारथ हासिल करने के उद्देश्य से वर्ष 2007 में आरंभ होने के बाद संस्थान काफी प्रगति कर चुका है। बी टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग अभिकल्पना एवं विनिर्माण) के छात्रों के प्रथम दल ने लगभग 70 प्रतिशत नियुक्तियां प्राप्त की तथा कई अन्य छात्रों ने विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में एम.एस/ पी एचडी की शिक्षा प्राप्त के लिए दाखिले अर्जित किए हैं। रिपोर्ट की समयावधि के दौरान संस्थान ने बहुत से मील के पत्थर तय किए, जिसमें मुख्य रूप से संस्थान का अपने स्थाई कैंपस में सुचारु रूप से कार्यरत होना शामिल है।

मुझे यह व्यक्त करते हुए काफी गर्व महसूस हो रहा है, कि संस्थान का पहला दीक्षांत समारोह आई आई टी मद्रास के आई सी एन्ड एस आर भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। श्री आर शेषासायी (चेयरमेन, शासी बोर्ड) ने दीक्षान्त समारोह का आरंभ किया तथा प्रोफसर एम एस अनन्त (आई आई टी मद्रास के भूतपूर्वक निदेशक) समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व स्नातक छात्र, अभिभावक, संकाय, सिनेट एवं बोर्ड के सदस्य सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को विशिष्ट शैक्षणिक एवं उत्तम प्राजेक्ट के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इस अवधि के दौरान इंजीनियरिंग की तीनों विधाओं (कम्प्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स, मैकेनिकल, अभिकल्पना एवं विनिर्माण) के प्रत्येक कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश पानेवाले छात्रों की संख्या 20 से बढ़ाकर 30 कर दी गई। इस दौरान संस्थान ने ए आई ई ई ई द्वारा संचालित काउंसलिंग प्रक्रिया में रिपोर्टिंग सेन्टर की हैसियत से योगदान दिया। ए आई ई ई ई प्रवेशों के लिए संस्थान ने रिपोर्टिंग सेंटर एवं भाग लेने वाल संस्थान की हैसियत से अपनी सेवाएं उपलब्ध करवाई तथा इस दिशा में संस्थान के कार्यकलाप एवं सहयोग को केन्द्रीय बोर्ड द्वारा बहुत सराहा गया।

नया शैक्षणिक सत्र (2011-12), स्वतंत्रता दिवस उत्सव के बाद 16 अगस्त से अपने नए कैंपस में आरम्भ हुआ। शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा अन्य सहपाठ्यक्रम संबंधित क्रियाकलाप पूर्व संरचित बहुउद्देशीय ढांचों से निर्मित प्रशासनिक प्रयोगशालाओं, व्याख्यान हॉल, व्यायामशाला, सम्भाषण हाल में सुचारु रूप से चलाई जा रहे हैं। छात्र समुदाय के हितों का ध्यान रखते हुए संस्थान द्वारा क्रिकेट, फुटबाल, बास्केटबाल, टेबल टेनिस तथा अन्य खेलों के लिए पूर्ण समर्पित खेल ग्राउंड एवं सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। प्रथम वर्ष के लडकों एवं लडकियों के लिए छात्रावास सुविधाएं संस्थान द्वारा प्रदान की गई हैं तथा वरिष्ठ छात्रों के दल को आवासीय सुविधा आई आई टी मद्रास के छात्रावासों में उपलब्ध हैं।

संस्थान के स्थाई परिसर में भवन निर्माण गतिविधियां पूरे जोर पर हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि आनेवाले नए शैक्षणिक सत्र में सभी छात्रों को आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएगी। संस्थान के अभिकल्पना एवं विनिर्माण आदेश तथा आनुभाविक केन्द्रीय पढाई पद्धति को ध्यान में रखते हुए लेक्चर हॉलों और प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्शन सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। शासी बोर्ड ने संस्थान को कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स में स्नातोकोत्तर स्तरीय कार्यक्रम एम डेस प्रारंभ करने की अनुमति दे दी है। यह पाठ्यक्रम आनेवाले शैक्षणिक सत्र से आरंभ होगा तथा इसके पाठ्यक्रम को तैयार किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि संस्थान का त्रैमासिक सूचना पत्र मार्गदर्शन नई ऊंचाईयों को छुएगा। फिलहाल इसका प्रथम संस्करण जारी किया गया है और यह अन्य समदर्शी संस्थाओं के साथ संस्थान को जोड़ने के लक्ष्य में कामयाब रहा है।

संस्थान का अन्तरा तकनीकी एवं पारंपरिक त्योहार समागता अपने दूसरे संस्मरण में सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। छात्रों की उत्साहवर्धक भागीदारी के चलते इसका आकार काफी ज्यादा बढ़ गया है। मुझे यह बताने में काफी हर्ष हो रहा है कि संस्थान के समाज सेवा दल ने सामाजिक भलाई के कार्यों में सराहनीय योगदान दिया है। समाज सेवा दल ने संस्थान परिसर में पेड़ लगाओ अभियान चलाकर अपनी गतिविधियाँ आरम्भ की जिसके बाद समीपवर्ती गांवों में विद्यार्थियों तथा लोगों का संस्थान के

प्रति सोहार्दपूर्ण झुकाव भी बढ़ा। आई आई आई टी एम ग्वालियर द्वारा आयोजित अन्तर संस्थान खेल प्रतियोगिता 'त्वरण 2012 ' में संस्थान के खेल दल ने अत्यन्त बढ़िया प्रदर्शन किया तथा दो स्वर्ण, नौ रजत एवं तीन कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का अहसास कराया ।

यह वर्ष हमारे लिए बेहद घटनापूर्ण रहा जिसमें पहला दीक्षान्त समारोह, स्थाई परिसर में कामकाज चलना एवं अन्य गतिविधियां सुचारू हुई। छात्रों, स्टॉफ तथा अध्यापकों की लगन एवं तथा बुनियादी ढांचागत सुविधाओं की स्थाई परिसर में उपलब्धता को देखते हुए, संस्थान द्वारा आनेवाले समय में ऊंचाईयां छुने के प्रति मैं बेहद आश्वस्त हूँ।

प्रो आर. न्यानमूर्ती

संस्थान का प्रशासन

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2007 में स्थापित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, अभिकल्पना और विनिर्माण (आई आई आई टी डी एम) कॉचीपुरम, तकनीकी शिक्षा और शोध कार्य के लिए उत्कृष्टता का एक केन्द्र है। संस्थान के समग्र प्रशासन और कार्यकलाप के लिए बोर्ड के अध्यक्ष जिम्मेवार हैं। बोर्ड एक गैर कार्यकारी अध्यक्ष के अधीन है, जिसका चयन तीन वर्ष के लिए किया जाता है। श्री अशोक शेषाशायी, अध्यक्ष, मेसर्स अशोक लेलैंड वर्तमान में शासी बोर्ड के चेयरमैन हैं। बोर्ड के अन्य सदस्यों का विवरण सारणी 1 में वर्णित है। बोर्ड को संस्थान की सभी गतिविधियों की योजना और निष्पादन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बोर्ड संस्थान की प्रमुख नीतियों तथा प्रशासन को निर्धारित करता है। जिसमें अधिकार सौंपना, कर्मचारियों की भर्ती, सेवा, शर्तें, वित्तीय प्रबंधन और संस्थान की रोजमर्रा की गतिविधियाँ प्रशासिक करने संबंधी मामले शामिल हैं।

संस्थान के वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मामले वित्त समिति को भेजे जाते हैं। वित्त समिति खातों की जाँच और व्यय के लिए पुस्तकों की समीक्षा करती है। समिति संस्थान के वार्षिक खातों और वित्तीय अनुमानों की जाँच करती है तथा अपने वित्तीय आकलन को अनुमोदन के लिए शासी बोर्ड को प्रस्तुत भी करती है।

भवन और निर्माण कार्य समिति संस्थान को निर्माण संबंधी मामलों पर सलाह देती है। बोर्ड की आवश्यक प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी मिलने के बाद समिति को सभी प्रमुख निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। समिति के पास, संस्थान के अंतर्गत आनेवाले निर्माण रखरखाव एवं मरम्मत संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन का अधिकार है। यह भवन निर्माण से संबंधित मुख्य एवं गौण कार्यों, मरम्मत और रखरखाव जैसी गतिविधियों के लागत मूल्यों को अनुमानित करती है। यह प्रत्येक निर्माण कार्य जो कि इसके द्वारा आवश्यक समझा जाता है कि तकनीकी जाँच के लिए जिम्मेवार है। यह उपयुक्त ठेकेदारों और निविदाओं की स्वीकृति के लिए जिम्मेवार है। इसके पास निर्माण संबंधी आवश्यक विभागीय कार्य करने के लिए दिशा निर्देश देने का अधिकार है। इसके पास, निविदा द्वारा कवर नहीं की गई दरों को कवर करने, ठेकेदारों के साथ विवादों और दावों के निष्पादन के लिए शक्ति निहित है। वित्त और भवन निर्माण कार्य संबंधित समितियों के विवरण क्रमशः सारणी 2 और 3 में दिए गए हैं।

सारणी 1 संस्थान का शासी बोर्ड (2011-2012)

श्री आर. शेषाशायी, चेयरमेन एक्सिक्यूटिव उप चेयरमेन, मेसर्स अशोक लेलैण्ड	प्रो आर न्यानमूर्ति निदेशक आई आई आई टी डी एम कांचीपुरम
श्री रमेश कुमार खन्ना सरकार सेक्रेटरी, सूचना तकनीक विभाग तमिलनाडु सरकार	श्री आर.सी मीणा आर्थिक सलाहकार(एचई) उच्च एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
श्री टी रामस्वामी सेक्रेटरी सूचना तकनीक विभाग भारत सरकार	प्रो भास्कर राममूर्ति निदेशक आईआईटी, मद्रास
डॉ जी विश्वनाथन कुलाधिपति वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर	डॉ के पी ईशाक सदस्य सेक्रेटरी एआईसीटीई
श्री दीपक पुरी चेयरमेन एवं प्रबंध निदेशक मेसर्स मोसरबियर लिमिटेड	प्रो अशोक झुनझुनवाला इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग आई आई टी मद्रास
प्रो एस. नारायणन यांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, मद्रास	श्री ओंकार सिंह कंवर चेयरमेन मेसर्स अपोलो टायर लिमिटेड
प्रो हरिशंकर रामचन्द्रन इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्राद्योगिक संस्थान, मद्रास	लेट कर्नल (रिटायर्ड) श्री जयकुमार, सेक्रेटरी रजिस्ट्रार, आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम

सारणी 2: संस्थान की वित्त समिति

श्री के. शेषाशायी, चेयरमेन एक्सिक्यूटिव उप चेयरमेन, मे अशोक लेलैण्ड	प्रो आर न्यानमूर्ति निदेशक आई आई टी डी एम कांचीपुरम
श्री नवीन सोइ निदेशक (वित्त) उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	मिसेज प्रतिमा दीक्षित निदेशक (टीई) उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
प्रो एस. नारायण यांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास	श्री एस. सांबाशिवम डिप्टी रजिस्ट्रार (एफ अण्ड ए) भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, मद्रास
सचिव मि.ए चिदम्बरम डिप्टी रजिस्ट्रार (एकाउन्ट्स) आईआईटीडीएम, कांचीपुरम	

सारणी 3 : संस्थान का निर्माण और कार्य समिति

प्रो आर न्यानमूर्ती निदेशक आई आई आई टी डी एम कांचीपुरम	श्रीमती प्रतिमा दीक्षित निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
प्रो एस नारायणन यांत्रिकी इंजीनियरिंग विभाग भारतीय प्राद्योगिकी संस्थान मद्रास	श्री आर अरुमुगम अधीक्षण अभियंता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास
श्री राजीव शर्मा अधीक्षण अभियंता (इलक्ट्री) सीपीडब्ल्यूडी	सचिव श्री. माणिकवाचकम परामर्शदाता अभियंता (सिविल) आईआईटीडी व एम , कांचीपुरम

सारणी 4 संस्थान की शैक्षणिक सलाहकार समिति

प्रो आर. न्यायनमूर्ती,, निदेशक – अध्यक्ष	
प्रो एस नारायणन मेकेनिकल इंजीनियरिंग आई आई टी, मद्रास	प्रो के. श्रीधरन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास
प्रो एस. सांताकुमार एरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास	डॉ रघु वी प्रकाश मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास
प्रो के. चन्द्रशेखरन (रिटायर्ड), अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई	डॉ नितिन चंद्रचूदन इलेक्ट्रिकली इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी मद्रास
प्रो पी. चन्द्रमौली, मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग आई आई टी मद्रास	प्रो वी. कामकोटी, कम्प्यूटर साइंस एन्ड इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, मद्रास
डॉ बी0 शिवसेल्वन सहायक प्रोफसर, कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग प्रोफ निलेश जे वासा इंजीनियरिंग डिजाइन विभाग, आई आई टी, मद्रास	डॉ शंकर बालचंद्रन कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, मद्रास डॉ बिन्सु जे कैलात सहायक प्रोफेसर, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग
प्रो जी. थानीगयारासू अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई	डॉ एम श्रीकुमार सहायक प्रोफसर, मेकनिकल इंजीनियरिंग
प्रो प्रदीप वाई यामियावार आईआई टी गुवाहाटी	डॉ नूर मुहम्मद वार्डन, पुरुष छात्रावास
प्रो आर रामानुजम गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई प्रो हरिशंकर रामचंद्रन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग आई आई टी मद्रास	डॉ के सेल्वज्योति वार्डन, महिला छात्रावास

उद्योग विशेषज्ञ

डॉ रविकिशोर बी
एचसीएल इन्फो सिस्टम्स, प्राइ लिमिटेड
चेन्नई

डॉ सी. मथिरअळगन
एसीईओ मार्केट प्रथम जापान, और एमके टेक इंडिया

डॉ एम. सत्य प्रसाद
मेसर्स अशोक लेलेंड

सचिव
लेट कोल (रिटायर्ड) जयकुमार
रजिस्ट्रार, आईआईआईटीडी और एम
कांचीपुरम

संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन संबंधित मामले शैक्षणिक सलाहकार परिषद – सिनेट को विचारार्थ भेजे जाते हैं। सीनेट नए शैक्षणिक व अनुसंधान कार्यक्रम, पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षाओं का संचालन और ग्रेडिंग प्रणाली तथा अन्य छात्रों/शिक्षा से संबंधित मामलों पर संस्थान को मशवरा देती है। भारत सरकार द्वारा परिकल्पित मानकों को बनाए रखने के लिए संस्थान की अपनी सभी गतिविधियों में प्रति पुष्टि तथा समीक्षा आधारित दृष्टिकोण निरंतर अपनाए हुए है। यहां पर शिक्षण और अनुसंधान दोनों को समान महत्व दिया जाता है तथा छात्रों, संकाय और स्टॉफ के सदस्यों को बेहतर ऊँचाई पर पहुँचाने के लिए लगातार प्रेरित किया जाता है। सीनेट की सदस्य सारणी 4 में सूचीबद्ध है।

प्राधिकारियों की बैठकें

संस्थान के सही दिशा निर्देशन एवं परिकल्पित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मंत्रालय तथा संस्थान द्वारा अनेक समितियों का गठन किया गया है जो संस्थान को शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास संबंधित गतिविधियों पर परामर्श देती है। इन समितियों की बैठक एक नियमित अंतराल के बाद होती है और ये महत्वपूर्ण घटनाओं, नए स्नातक कार्यक्रमों की शुरुआत एवं भविष्य कार्य योजना संबंधित जानकारियों का आकलन करती हैं। सारणी में इस वर्ष के लिए समितियों की बैठकों का विवरण नीचे दिया गया है।

सारणी 5 आयोजित समिति की विभिन्न बैठकों की अनुसूची

शासी बोर्ड	14.07.2011	08.11.2011	11.02.2012	
वित्त समिति	31.05.2011	30.09.2011	11.02.2012	
निर्माण और कार्य समिति	31.05.2011	29.09.2011	07.12.2011	
शैक्षणिक सलाहकार समिति	27.05.2011	12.08.2011	16.12.2011	03.02.2012



स्थाई परिसर का उद्घाटन



प्रशासनिक भवन



झंडा फहराना – स्वतंत्रता दिवस



गणतन्त्र दिवस- गार्ड ऑफ ऑनर

?



छात्र प्रदर्शन – 15/08/2011 और 26/01/2012



शैक्षणिक कार्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर संस्थान के पूर्व स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले दिए जाते हैं। इस प्रवेश प्रक्रिया में भारत सरकार द्वारा लागू आरक्षण के नियमों का पालन किया जाता है। पूर्व स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश संबंधी काउंसिलिंग केन्द्रीय परामर्श बोर्ड द्वारा संचालित की जाती है। रपट की समयावधि के दौरान संस्थान ने रिपोर्टिंग केन्द्र की हैसियत से सेवाएँ उपलब्ध कराईं। विभिन्न प्रकार के संस्थानों जैसे एन.आईटी, आईआईटी तथा सीसीबी के अन्तर्गत अन्य संस्थानों में प्रवेश पाने हेतु संस्थान ने छात्रों को अन्तरिम प्रवेश पत्र जारी किए। एनआईटी सूरतखल ने सीसीबी द्वारा प्रायोजित वर्ष 2011-12 के दाखिलों की प्रक्रिया को संचालित किया तथा संस्थान के प्रयासों को सीसीबी तथा अन्य संबंधित प्रतिनिधियों ने काफी सराहा।

वर्तमान में संस्थान द्वारा मैकेनिकल इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) कम्प्यूटर इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) तथा इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में 4 वर्षीय बी.टेक के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा इलैक्ट्रानिकी सिस्टम एवं मैकेनिकल सिस्टम के नाम से दो वर्षीय एम डेस कार्यक्रम भी चालू है। यहां पर इंजीनियरिंग के संबंध एवं अंतर्विषयक क्षेत्रों में पीएडी के कार्यक्रम भी उपलब्ध है। पूर्व स्नातक छात्रों की प्रवेश संख्या सीमा को 20 से बढ़ाकर 30 कर दिया गया है तथा आनेवाले वर्षों में प्रवेश संख्या आवश्यक बुनियादी ढाँचे की उपलब्धता के आधार पर बढ़ाई जाएगी। संकाय रूपरेखा अभिकल्पना उन्मुखी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की वजह से बी टेक कार्यक्रमों को काफी सराहा गया है तथा इन कार्यक्रमों ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में उच्च प्रदर्शन वाले छात्रों को आकर्षित किया है। वर्ष 2007 में उत्तीर्ण छात्रों के प्रथम जत्थे ने लगभग 70 प्रतिशत नियुक्तियां प्राप्त की तथा कुछ अन्य विद्यार्थियों का विदेशों में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हेतु चयन हुआ। छात्रों की ज्यादातर नियुक्तियां, विशेष कार्यक्षेत्र संबंधित उद्योगों द्वारा समाहित की गईं जो संस्थान की ध्येय दिशा पूर्ति का प्रमाण है। संस्थान से नियुक्तियां करनेवाली कुछ मुख्य कंपनियों में निम्नलिखित नाम शामिल हैं। टैगू टैक, अशोक लेलैंड, एचसीएल टेक्नॉलजी, कोंगनीजेंट टेकनॉलजीकल सोलूशन्स, सूर्याजन, एसवीपी लेजर टैक, फैंब टैक प्राजेक्टस एवं इंजीनियरिंग तथा अपोलो टायर। नियुक्तियों का सांख्यिकी विवरण, नियुक्तियां संबंधित अनुभाग में तालिकाबद्ध है। इस समयावधि के दौरान, एमडेस कार्यक्रमों में प्रवेश पानेवाले छात्रों की संख्या में भी बढोत्तरी दर्ज की गई।





Computer Engineering

FACULTY



Dr Sivaselvan B
Assistant Professor
Research Areas:
Knowledge & Data Engineering
Data Structures



Dr Masilamani V
Assistant Professor
Research Areas:
Image Processing & Computer Vision
Data Structures



Dr Noor Mahammad Sk
Assistant Professor
Research Areas:
Reconfigurable Computing
Software for VLSI Design
Evolvable Hardware

RESEARCH SCHOLARS

Mr Kanjar De
Image Processing
Mr Mohamed Asan Basiri



ACADEMIC PROGRAMMES

B. Tech	Computer Engineering
Ph.D	Computer Science & Engineering

B. Tech COE—Highlights

- * USP as opposed to conventional CSE programmes— Focus on H/W-S/W interaction
- * Novel design focused curricula based on ACM recommendations
- * Dedicated focus on experiential learning (~50:50 Theory: Practice)
- * Specialization courses: Human Computer Interaction, Embedded Systems, VLSI & Adv. Arch.



LABORATORIES

Human Computer Interaction Lab
System Programming Lab

FACILITIES

Computers	*Fujitsu/IBM Systems X Servers *High end Xeon Quad Core Processor based workstations
Software/OS	* Cadence EDA Tools * Xilinx Prototyping Tools * RHEL
Hardware	* FPGA Prototype Boards * Microprocessor Kits * Interface Cards

PUBLICATIONS

Books	04
Intl. Conferences	20
Intl. Journals	10

STUDENTS

PhD	01	
B. Tech	2009	17
	2010	20
	2011	27



Electronics Engineering

Personnel

Faculty

- Dr. Binsu J Kailath
VLSI & MEMS
- Dr. Damodharan P
Power Electronics & Drives
- Dr. Karthikeyan S S
Microwave Integrated Circuits
- Dr. Selvajothi K
Control Engg. & Power Electronics
- Dr. Manoharan M
Nano-scale Devices & Circuits
- Dr. Ramya T R
Wireless Communications



Staff

- Mr. Balaji Raja M
Jr. Technician
- Mr. Sriram Bhaskar P M
Jr. Tech. Supt.



Research Scholars

- Arun K Harmonics Reduction
- Papanasam E SiC MOS Devices
- Rajin M Linus Max. Power Point Tracking
- Abdul Majeed K K – Analog VLSI

Facilities

Hardware /Software

- ❖ Altera
- ❖ DSK6713
- ❖ DSO Lecroy
- ❖ DSO Tektronix
- ❖ DSO Falcon
- ❖ FG Tektronix
- ❖ FG Scientific
- ❖ Fibre Optica
- ❖ Wi Com T
- ❖ LAN Trainer
- ❖ Mechatronics
- ❖ μ- Controller
- ❖ μ- Processor -
- ❖ MSP430
- ❖ NI Elvis
- ❖ Spartan 3E
- ❖ Sci. DC Source
- ❖ Cadence
- ❖ Xilinx
- ❖ LabVIEW
- ❖ Altera
- ❖ MATLAB
- ❖ PSPICE
- ❖ CC-Studio 3.3
- ❖ IAR System
- ❖ MASM
- ❖ iVerilog

B Tech

Research

M Des



Mechanical Engineering - Design and Manufacturing

FACULTIES



Dr.Eng Gnanamoorthy.R
Professor & Director
 Ph : +91-44-2747 6302
 o Mechanical Design and Manufacturing
 o Surface Engineering,
 o Damage Tolerant Design



Dr.Sreekumar.M
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6352
 • Robotics
 • Serial and Parallel Mechanisms



Dr.Shahul Hamid Khan B
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6344
 o Multi objective Optimization
 o Supply Chain Management



Dr.Raja.B
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6355
 o Refrigeration and Air-Conditioning, CFD
 o Boiling Heat Transfer and Nanofluids



Dr.Arivazhagan.A
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6358
 o CAD/CAM/CAAPP,
 o STEP-NC & CNC Machining
 o Machining of Prismatic & Rotational Parts



Dr.Jayavel.S
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6352
 o Computational Fluid Dynamics
 o Fluid and Thermal Sciences



Dr.Pandithevan.P
Assistant Professor
 Ph : +91-44-2747 6351
 o CAD/CAM, Bio-mimetic Design,
 o Layered Mfg, Computational Geometry



Mr.Gurunathan.C
Technical Officer
 Ph : +91-44-2747 6360
 o Mechanical Design
 o CAE & Simulation

FACILITIES AT A GLANCE



Z 450 3D Printer



Co-ordinate Measuring Machine



Tensile Testing Machine



Micro Hardness Testing machine



Scanning Electron Microscope



Axio Imager Microscope

CORE ENGINEERING COURSES SUPPLEMENTED BY LAB PRACTICES

- Machine Drawing practice
- Precision Manufacturing and Metrology
- Finite Element Analysis
- Applied Thermal Engineering
- Robotics and Automation
- Applied Mechanics Lab
- Advanced Manufacturing
- Electrical Drives and Control Engineering
- Electronic Circuit Design
- Microprocessors and Embedded Controllers

TECHNICIANS

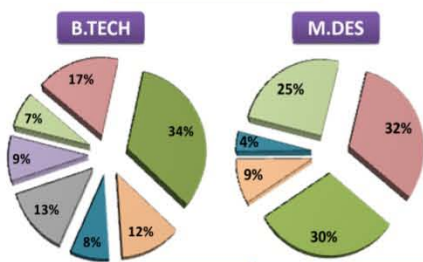


Mr.Manigandan.G
 Junior Technician



Mr.Vigneshwaran.A
 Junior Technician

CREDIT DISTRIBUTION



Total Credit : 174
 Theory : 55%
 Practical : 45%

Total Credit : 70
 Theory : 55%
 Practical : 45%

- Mathematics
- Design Concepts
- Basic Engg. & Sciences
- Mech. Engg.
- Humanities and Management
- Electrical and Electronic Engg.
- Core Engineering
- Design Concepts
- Design Concept.
- Project and Seminar
- Mathematics

RESEARCH SCHOLARS

- S Usha
DEAP actuators for Spatial Mechanisms
- B Madhevan
Mobile Robots
- K Balaji
Parallel mechanism
- C Gurunathan
Surface Engineering



PRODUCT DEVELOPMENT

"Need - Design - Simulate - Develop"



Research Publications (2007 onwards)

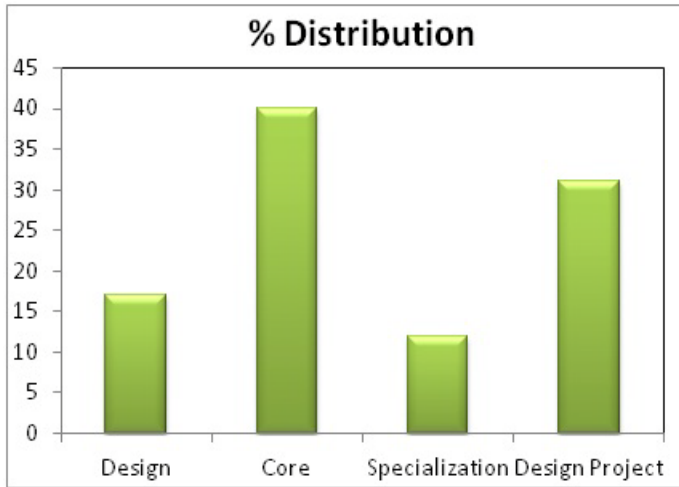
International Journals	97
International Conferences	59
National Journals	2
National Conferences	57

PLACEMENT AND INTERNSHIP



अगस्त 2012 से आरंभ होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र से एम डेस कम्यूनिकेशन सिस्टम की शुरुआत प्रस्तावित है। प्रसारण बैडविड्थ की बढ़ी हुई अनवरत माँग को पूरा करने के लिए आधुनिक संप्रेषण प्रणाली संबंधित समाधानों में द्रुतगति से बदलाव आ रहा है। इस क्षेत्र में रोजगार, संबंधित सुअवसरों का तांता लगा हुआ है तथा इसे सबसे तेज गति से विस्तारित होनेवाले तकनीकी क्षेत्रों में शुमार किया जाता है। भारत ने साफ्टवेयर, सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति की है परन्तु देश में इलैक्ट्रानिकी हार्डवेयर क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट ज्ञान एवं साधनों से सुसज्जित मानव शक्ति की कमी है। कम्यूनिकेशन सिस्टम में एम डेस कार्यक्रम उद्योग जगत की जरूरतों की पूर्ति के लिए एक संतुलित पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में कम्यूनिकेशन नेटवर्क, डीजिटल कम्यूनिकेशन, पीसीबी एवं एमबेडीड सिस्टम डिजाइन को शामिल करते हुए वी एल एस आई एफ पी जी ए तथा वेरी लोग क्रियान्वयन पर भी विशिष्ट रूप से प्रकाश डाला

गया है। संस्थान के सभी 'शैक्षणिक कार्यक्रम' करके सिखो के सिद्धांत को आत्मसात करते हैं। इंजीनियरिंग क्षेत्र के विभिन्न खंडों में संपूर्ण कौशल से सुसज्जित अभिकल्पना अभियन्ताओं को उत्पन्न करने के लिए संस्थान द्वारा आनुभाविक अध्ययन पद्धति का शैक्षणिक कार्यप्रणाली के क्रियान्वयन में अनुसरण किया जाता है।





अभ्यास आधारित विषयों / पाठ्यक्रमों को अधिक महत्व देते हुए हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर की नवीनतम तकनीकों तथा अन्य सुविधाओं को प्रचलित किया जा रहा है। अभिकलन मशीनरी संघ आधारित सूची में इलैक्ट्रानिकी के इंजीनियरिंग के ज्यादा पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित किया जाता है जिससे सॉफ्टवेयर हार्डवेयर मेल जोल एवं बुद्धिमान उत्पादों की अभिकल्पना तथा विकास के लिए जरूरी कौशल वाले अभियंता उत्पन्न होंगे। एमबेडीड सिस्टम, पी एल एस आई डिजाइन, ह्यूमन कम्प्यूटर इंटरएक्शन, पावर इलैक्ट्रानिक्स तथा कंट्रोल एवं आटोमेशन के उदयीमान क्षेत्रों में व्यापक जानकारी होने की वजह से आई आई आई टी डी एम के कम्प्यूटर एवं इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) के छात्र मुश्किल इलैक्ट्रानिकी प्रणालियों एवं उपप्रणालियों की अभिकल्पना एवं विकास कार्य में दक्ष होंगे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्नातकों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के पारम्परिक पाठ्यक्रमों के साथ संवेदक, माइक्रो नियंत्रक, इलैक्ट्रानिकी नियंत्रण एवं स्वचलीकरण के क्षेत्रों में कौशल से सुसज्जित किया जाता है। पाठ्यक्रम के आनुभाविक अध्ययन पद्धति पर जोर की पूरक मांग को पूरा करने के लिए प्रयोगशालाओं को नवीनतम तकनीक तथा आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाता है। मार्गदर्शन कौशलों को बढ़ावा देने के लिए अध्ययन सूची में इंजिनियरिंग सिम्युलेशन पाठ्यक्रम निहित है तथा हमारी प्रयोगशालाएँ उच्च अंत वर्कस्टेशन एवं जबरदस्त ताकतवर सिम्युलेशन साफ्टवेयरों से लैस हैं।

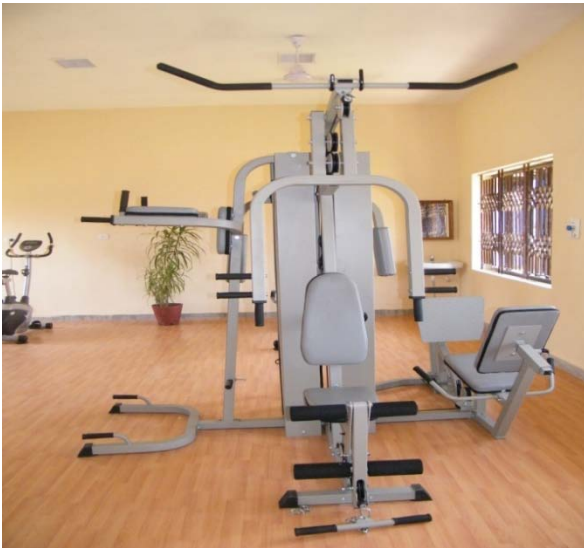
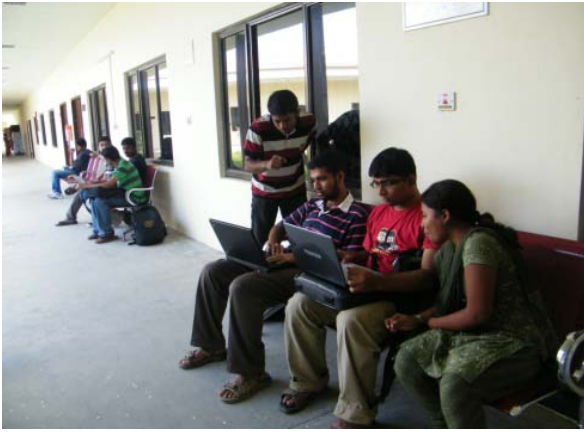


मेलकोट्टैयूर स्थित स्थायी परिसर में आधारभूत सुविधाएँ

15 अगस्त 2011 को स्वतन्त्रता दिवस समापन समारोह के पश्चात संस्थान अपने स्थाई परिसर में स्थानान्तरित हो गया। रपट की समयावधि के दौरान चार बहुउद्देशीय पूर्व संरचित भवन तैयार किए गए, जिसमें प्रशासनिक ब्लॉक, प्रयोगशालाएँ, व्याख्यान कक्ष तथा सम्मेलन सभागृह शामिल हैं। प्रशासनिक ब्लॉक में निदेशक, रजिस्ट्रार कार्यालय, संस्थान कार्यालय तथा संकाय कक्षों की व्यवस्था की गई है। जबकि कम्प्यूटर इलैक्ट्रानिकी एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग संबंधित प्रयोगशालाओं को प्रयोगशाला भवन में समायोजित किया गया है।

मेलकोट्टैयूर परिसर में आधारभूत सुविधाएँ





आईआईआईटीजी व एम कॉचीपुरम में खेल सुविधाएँ/ अन्य सुविधाएँ

सम्मेलन सभागृह नवीनतम प्रक्षेपण सुविधाओं से लैस है तथा प्रशासनिक ब्लॉक के साथ-साथ इसके लिए भी उर्जा पूर्तिकर स्रोत की व्यवस्था की गई है। बोलकर एवं चाक द्वारा लिखकर पढ़ाने के पारम्परिक तरीकों के साथ-साथ मल्टीमीडिया साधनों द्वारा सिखाने की पद्धति को सुसाध्य बनाने हेतु व्याख्यानशाला के सभी कक्षाओं में प्रक्षेपण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रक्षेपण सुविधा को इस प्रकार से स्थापित किया गया है जिससे प्रक्षेपण उपकरण तथा श्यामपट्ट को पढ़ाने के दौरान एक साथ प्रयोग में लाया जा सके। व्याख्यानशाला में 40 से 100 छात्रों के बैठने की विभिन्न क्षमता वाले नौ शिक्षण कक्ष हैं। संस्थान के कार्यालय, संकाय कक्षाओं, प्रयोगशालाएं एवं शिक्षण कक्षाओं को केन्द्रीय व्यवधान रहित उर्जा आपूर्ति मार्ग से जोड़ा गया है। आमंत्रित व्याख्यानों एवं तकनीकी उत्सवों के आयोजन करने के लिए 120 सीटों की क्षमतावाले एक संगोष्ठी कक्षा का प्रबन्ध सुविधा स्कंध में किया गया है।



छात्रों की दैनिक आवश्यकताओं जैसे लेखन सामग्री, जलपान आदि का ध्यान रखते हुए संस्थान की सुविधा विंग में खरीददारी केन्द्र, जिमखाना तथा रुचि शिल्पशाला को खोला गया है। संस्थान का वित्तीय लेन-देन इण्डियन बैंक से होता है/ आई.आई. आई.टी.डी.एन्ड.एम परिवार व स्थानीय निवासियों की भलाई हेतु संस्थान के प्रवेश द्वार पर ए.टी.एम सुविधा उपलब्ध कराई गई है।



वर्तमान में संस्थान की सभी शैक्षणिक गतिविधियां स्थाई परिसर में संचालित होती हैं। प्रथम वर्ष के पूर्व स्नातक तथा शोध छात्र जिनकी संख्या लगभग 150 है, को स्थाई परिसर में आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। निर्माण संबंधी गतिविधियों के समाप्त होने के उपरान्त अन्य वरिष्ठ छात्र जो आई.आई.टी मद्रास के छात्रावास में रहते हैं, उनको संस्थान के स्थाई परिसर में चरणबद्ध तरीके से आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लडकों एवं लडकियों के रहने की व्यवस्था बैनयान (बरगद) तथा लोटस (कमल) नामक छात्रावासों में क्रमशः की गई है। इन छात्रावासों में लगभग 80 कमरे हैं। प्रथम वर्ष के पूर्वस्नातक छात्रों को सहभागी कमरे दिये गये हैं। जबकि वरिष्ठ छात्रों को एकल कमरे दिए जाएंगे। प्रत्येक छात्रावास में दूरदर्शन, इंडोर खेल तथा अध्ययन करने की सुविधा के काम कक्ष बनाए गए हैं। 150 लोगों के बैठने की क्षमता वाले संस्थान के एक भोजनालय में छात्रों की जलपान संबंधी जरूरतों को पूरा किया जाता है। आई.आई.टी.डी.एन्ड.एम के छात्रों में खेलकूद संस्कृति विकसित करने हेतु स्थाई परिसर में बास्केटबाल, फुटबाल, बैडमिंटन एवं क्रिकेट की कंक्रीट पिच मैदानों को तैयार किया गया है। नेट पर अभ्यास करने के लिए पिच भी बनाई गई है। छात्रों के शारीरिक प्रशिक्षण के लिए एक फुटबाल विशेषज्ञ को अंशकालीन रूप से रखा गया है तथा इसके स्थाई पद भरने हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया है। मेहमानों, छात्रावास वार्डन एवं कार्यालय के लिए दो कमरे छात्रावास में सुरक्षित रखे गये हैं। छात्रों, स्टाफ एवं संकाय समूह की आपातकालीन चिकित्सा जरूरत पूरी करने के लिए आपातकालीन चिकित्सा केन्द्र बनाया गया है तथा स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं के लिए विश्वसनीय चैटीनाड हैल्थ केर, केलामबकम के साथ साठ गांठ की है।





ADMIN. AND SENATE HALL. AREA-5453 SQM. ESTIMATED COST- Rs. 14.89 CR.



INSTITUTE MAIN ENTRANCE



LECTURE HALL BLOCK AREA- 10786 SQM ESTIMATE - Rs. 34 CR.



LABORATORY BLOCK. AREA- 36439 SQM ESTIMATE -Rs. 128 CR

TRANSIT CAMPUS

Academic zone 3520 SQM

- Laboratories 9
- Class Rooms 9
- Faculty Rooms 21
- Auditorium 1
- Seminar Halls 2
- Gym 1
- Hobby Workshop 1
- Cafeteria 1
- Departmental store 1

Hostel Zone 2800 SQM

- Boys Hostel 100 Beds
- Girls Hostel 55 Beds
- Kitchen Facility 1
- Dining Halls 112 Seats
- Common Rooms 3
- Indoor Games 3
- Medical Aid Centre 1



MAIN CAMPUS

GRIHA 4 STAR RATING

- Allotted Land 51.75 Acres
- Total Construction 1,20,000 SQM
- Lecture Halls 3 x 200 capacity
3 x 100 capacity
20x 60 capacity
- Laboratory Complex 45 laboratories
Faculty=80,
- Boys Hostel 1140 beds
- Girls Hostel 361 beds
- Quarters 80 units
- Administration Block Senate Hall
- Indoor Sports Complex Swimming Pool
- Auditorium Amenities
- Guest House Transit House



HOSTEL BLOCK AREA- 8441 SQM ESTIMATE - Rs. 23.86 CR



ROOM LAYOUT BOYS HOSTEL



FACULTY BLOCK AREA- 12512 SQM



DINING BLOCK AREA- 2000 SQM ESTIMATE = Rs. 8.50 CR

अनूटे स्नातकोत्तर (एम डेस) कार्यक्रम

अभिकल्पना एवं विनिर्माण संबंधी शिक्षा तथा शोध कार्य में उत्कृष्टता हासिल करने के ध्येय के साथ आई आई आई टी डी एम कांचीपुरम में कार्यरत है। अनूटे पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों को उचित रूप से स्थापित करने के बाद संस्थान ने वर्ष 2010 में दो वर्षीय उन्नत स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम डेस) आरंभ किए। आई आई आई टी डी एम के एम डेस कार्यक्रमों का उद्देश्य मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रानिक उत्पादों के डिजाइन एवं विकास हेतु जरूरी अभिकल्पना कौशल तथा दक्षता को इलेक्ट्रानिक एवं

मैकेनिकल इंजिनियरों में समाहित करना है। मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रानिकी प्रणालियों में विशेषज्ञता वाले स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को विभिन्न प्रकार के डिजाइन केन्द्रों, प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों जैसे आई आई टी, आई आई एस सी इत्यादि एवं प्रसिद्ध उद्योग जगत के विशेषज्ञों द्वारा मूलभूत इंजीनियरिंग विषयों एवं अभिकल्प चिन्तन को समग्र कर तैयार किया गया है।

Objective
Develop necessary skills for concept design, detail design and analysis through hands-on training and demonstrate practical application of simulation software in engineering design.

Associated Faculty
Prof. R. Gnanamoorthy
Dr. B. Raja
Dr. P. Pandithivan
Dr. L. Ravi Kishore
Assoc. GM - System Design, M/s. HCL
Dr. K. R. Gopinath
Senior Prog Manager, M/s. IBM
Dr. Ragu Prakash
Associate Prof., IIT Madras
Dr. Rajani Krishnan
Fine Arts Specialist
Dr. K. Chandrasekaran
Professor (R&D), Anna University
Dr. Ramana Narayanan
Professor, Stella Maris College
Dr. S. A. Srinivasa Moorthy
Vice President - Design/M/s. Sammis SO

Technical Staff
Mr. C. Gurusanthan & Mr. A. Vigneshwaran

Courses Offered
Product Conceptualization & Visualization
Advanced Engineering Simulations I & II
Product Design and Prototyping
Product Design & Development
Concepts in Engineering Design
Design for Quality & Reliability
Engineering Simulations I & II
Product Analysis & Modeling
Machine Drawing Practice
Life Cycle Management
Engineering Drawing
Graphics Art Practice
Aesthetics in Design
Design History

Facilities
High-end Servers
High performance workstations
Wacom Cintiq & Intuos Graphics Tablets

Available Software

एम डेस कार्यक्रम, मानव कम्प्यूटर मेलजोल, मानवदर्शन एवं सूचना के फैलाव, समय आधारित सूचना अभिकल्पना तथा विभिन्न विधाओं में सहयोगपूर्व अभ्यास को प्रभावी, बेहतर एवं वांछनीय तरीके से बढ़ावा देता है। आईआईटीडीएम से उत्तीर्ण होनेवाले छात्रों को अनालोग एवं डीजीटल इलेक्ट्रानिकी आई सी कम्पनियों, एम्बेडीड सिस्टम प्लेयरस, स्वचालित अभिकल्प, ग्राहक उत्पाद सेवा तथा निर्माण संबंधी उद्योगों में प्रासंगिक सुअवसर प्राप्त होंगे। कम्प्युनिकेशन सिस्टम में प्रस्तावित एम डेस कार्यक्रम का पाठ्यक्रम संस्थान के 'करके सिखो' के नारे को चिन्हित करता है तथा इसमें इंजीनियरिंग के मूल विषयों के साथ-साथ अभ्यास सत्रों को भी पर्याप्त रूप से रखा गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रसारण एवं हार्डवेयर इंजीनियरिंगों के बीच की खाई पाटने तथा नई पीढ़ी के तकनीक कम्प्युनिकेशन उद्योग के उत्पादों एवं संघटकों के अभिकल्पना हेतु शिक्षा का प्रसार करना है। तंत्रियों को उत्पन्न करने एवं प्रस्तावित एम डेस पाठ्यक्रम में उत्पाद अभिकल्प संबंधित विषयों को केन्द्रित करते हुए अतिरिक्त वैचारिक रूपरेखा तैयार की गई है। पाठ्यक्रम को अभिकल्पना झलक प्रदान करने हेतु इंजीनियरिंग के मूलभूत विषयों के साथ अभिकल्प परिकल्पना एवं उचित अभ्यास योजना को सम्मिलित किया गया है। ई एम आई सी एवं आर एफ सर्किट संबंधी अवधारणा को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक रूप में पर्याप्त तरीके से चिन्हित किया गया है। इसके आगे डिजिटल सिग्नल एवं रैंडम प्रसोसैस संबंधी अवधारणाओं एवं मामलों को भी पाठ्यक्रम में बेहतर तरीके से शामिल किया गया है। अभिकल्पना केन्द्रित प्रसारण प्रणाली में उपाधि देनेवाला यह अपनी किस्म का पहला एवं अनूठा शैक्षणिक कार्यक्रम है तथा नई पीढ़ी की भविष्यवादी तकनीकों जैसे 3जी, 4जी आदि में प्रशिक्षित मानव संसाधन की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करता है।

शोध कार्यक्रम (पी एच डी)

संस्थान ने वर्ष 2009 से शोध कार्यक्रम में छात्रों का प्रवेश देना आरंभ किया था। वर्तमान में 14 शोध छात्र कम्प्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रानिक इंजीनियरिंग, भौतिक शास्त्र एवं गणित की विभिन्न विधाओं में डॉक्टरेट की उपाधि पाने हेतु कार्यरत है। कम्प्यूटर साइंस, इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रानिक, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा भौतिकी एवं गणित से संबंध अंतर्विषयों पर शोध कार्यक्रम चालू है। संकाय के सभी सदस्य प्रतिष्ठित संस्थानों से डॉक्टरेट उपाधि धारक हैं। उनकी शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों सराहनीय हैं तथा वे प्रायोजित शोध एवं उद्योग परामर्श कार्य में सहभागिता करते हैं। पी एच डी छात्रों का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

विधा	संख्या
कम्प्यूटर साइंस	02
इलैक्ट्रिकल एवं इलैक्ट्रानिकी	05
गणित	02
मेकनिकल	04
भौतिकी	01
कुल	14

छात्र प्रवेश - 2011-12

संस्थान के पूर्व स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है जबकी स्नातकोत्तर एम डेस कार्यक्रमों में छात्रों का चयन गेट/ सीड प्रदर्शन एवं संस्थान द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा/ साक्षात्कार के आधार पर होता है। यह संस्थान केन्द्रीय परामर्श बोर्ड के द्वारा आयोजित पूर्व स्नातक कार्यक्रम (बी टेक) प्रवेश प्रक्रिया काउंसलिंग का हिस्सा है। वर्ष 2011 में प्रवेश पानेवाले छात्रों की संख्या हर विधा में 20 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है। छात्रों की प्रवेश संख्या में चरणबद्ध तरीके से बढ़ोत्तरी की योजना है। पूर्व स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या का विवरण नीचे तालिका में संक्षेपित है।

उपाधि/ विधा	2008	2009	2010	2011	योग
बी टेक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	--	17	20	27	64
बी टेक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (डी अण्ड एम)	20	19	20	26	85
बी टेक मेकनिकल इंजीनियरिंग (डी अण्ड एम)	38	19	19	26	102
एम डेस मेकनिकल सिस्टम डिजाइन(एमएसडी)	--	--	05	08	13
एम डेस इलैक्ट्रॉनिक सिस्टम्स डिजाइन(ईएसडी)	--	--	11	08	19
कुल					283

शैक्षणिक वर्ष 2010 में एम डेस कार्यक्रमों को पहली बार प्रस्तुत किया गया तथा छात्रों की प्रवेश संख्या को हर विधा में 20 तक सीमित रखा गया। अब तक 32 छात्रों को इन प्रोग्रामों में रजिस्ट्रीकृत किया गया है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जाता है जबकि पीएचडी कार्यक्रम में छात्रों के लिए प्रवेश दो बार खुलता है। अब तक संस्थान में 14 शोध छात्रों को रजिस्ट्रीकृत किया है जिनमें कम्प्यूटर साइंस के 2, मैकनिकल इंजीनियरिंग के 4, गणित के 2, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं इलैक्ट्रीकल के 5 तथा भौतिक में 1 शामिल हैं।

छात्रों की वित्तीय सहायता

बी टेक के ऐसे छात्र, जिनके माता/ पिता की सालाना आय 2 लाख रुपये से कम है, को योग्यता सह साधन छात्रवृत्ति के रूप में 1000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें शिक्षण शुल्क अदा न करने की छूट भी मिलती है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान 23 छात्र इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सभी छात्रों को शिक्षण शुल्क अदा करने की छूट होती है और इसमें उनके माता/पिता की वार्षिक आय पर विचार नहीं किया जाता है। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के ऐसे छात्रों जिनके माता/पिता की वार्षिक आय 2 लाख रुपए से कम है को 250 रु प्रति माह जेब भत्ता, शिक्षा शुल्क में छूट, भोजनालय में निःशुल्क भोजन तथा छात्रावास में किराए की अदाकारी से भी छूट होती है।

छात्रवृत्ति

संस्थान निम्नलिखित छात्रवृत्ति दे रहा है :

1. योग्यता सह-साधन छात्रवृत्ति

बी टेक के ऐसे छात्रों को जिनकी माता/ पिता की सालाना आय 2 लाख से कम है, के लिए योग्यता सह-साधन छात्रवृत्ति के रूप में रु.1000 प्रति माह मंजूर किया गया है इसके अतिरिक्त ट्यूशन फीस में भी छूट दी गई है।

2. अनुसूचित जाति/ जनजाति छात्रवृत्ति

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के ऐसे छात्र जो बी टेक प्रोग्राम में प्रवेश ले रहे हैं उन्हें निःशुल्क भोजन और रु.250/- प्रतिमाह जेब भत्ता मिलेगा। ट्यूशन फीस में छूट और हॉस्टल सीट पर किराये के लिए भारत सरकार के पोस्ट मेट्रिक नियमों के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी।

3. संस्थान मुक्त छात्रवृत्ति

संस्थान मुक्त छात्रवृत्ति बी टेक के ऐसे छात्रों को दी जाएगी जिनकी माता पिता की आय 2 लाख रुपये से म है सिर्फ ट्यूशन फीस में छूट दी जाएगी।

4. अन्य छात्रवृत्ति :

एनसीआरटी तथा भारत सरकार द्वारा मेरिट के आधार पर ऐसे मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी जो इस संस्थान में बी टेक कार्यक्रम पूरा कर रहे हैं। 31 मार्च 2010 तक 1 छात्र इससे लाभान्वित हुआ है।

अब तक अकादमिक वर्ष वार जो छात्रवृत्ति दी गई है, उसे सारणी 7 में वर्णित किया गया है। आधा समय अनुसंधान सहायता (एच टी आर ए) अब तक के शैक्षणिक वर्षों में दी गई छात्रवृत्तियों का वर्णन तालिका 7 में है। संस्थान के एम.डेस/ पी एचडी शोध छात्रों को आधा समय अध्यापन/ शोध सहायता (एच टी टी ए/ एच टी आर ए) प्रदान की जाती है। 16 एम डेस छात्रों को रु.8000/- प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है जबकि 10 पी एच डी छात्रों को रु.18000 प्रति माह (इंजीनियरिंग) या रु. 16000/- प्रति माह (भौतिकी/ गणित) की छात्रवृत्ति क्रमशः मंजूर की गई है।

तालिका 6 – आई आई आईटी डी एम कांचीपुरम में छात्रों की उपस्थिति पंजिका

श्रेणी	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
ओपी	29	29	27	41
ओपी-पीएच	01	1	--	
टोबी	15	15	17	22
ओबी-पीएच	--	--	--	1
एससी	8	9	8	10
एसटी	5	4	4	5
एससी-पीएच	--	--	1	1
एसटी-पीएच	--	--	1	
कुल	58	58	58	80

सारणी 7 छात्रवृत्ति से सम्मानित छात्र

बैच	एमसीएम*	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति	एनसीईआरटी	संस्थान मुफ्त छात्रवृत्ति +
2008-09	15	7	1	3
2009-10	14	7	-	6
2010-11	14	8	-	6
2011-12	21	13	-	8
Total	64	35	1	23

+ - 10% छात्रों का प्रवेश * - 25% छात्रों का प्रवेश

छात्रों के शुल्क का विवरण

संस्थान शासी बोर्ड द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना का अनुसरण करता है बी टेक स्नातक पाठ्यक्रम के लिए विस्तृत शुल्क संरचना सारणी 8 में है।

छात्रों को सुविधाएँ और क्रियाकलाप –

आई आई आई टी डी एम कांचीपुरम के स्थाई परिसर में लड़कों एवं लड़कियों की आवासीय सुविधा हेतु वर्तमान में बैनियान (बरगद) तथा लोट्स (कमल) नाम के दो छात्रावास स्थित हैं। प्रथम वर्ष के छात्र तथा शोध विद्यार्थी जिनकी संख्या लगभग 150 है वो संस्थान के स्थाई परिसर में छात्रावासों में निवास करते हैं। वरिष्ठ छात्रों को अभी भी आई आई टी मद्रास के छात्रावासों में आवासीय सुविधा उपलब्ध है। आनेवाले शैक्षणिक सत्र से संस्थान के सभी छात्रों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु, प्रशासनिक शैक्षणिक एवं छात्रावास संबंधित निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है। बैनियान छात्रावास में लगभग 100 छात्रों के रहने की व्यवस्था है तथा महिला छात्रावास (लोट्स) करीब 55 महिलाओं के रहने की क्षमता रखता है। दोनों छात्रावासों में मनोरंजन कक्ष तथा वातानुकूलित मेहमान कक्ष की सुविधा उपलब्ध है तथा एक 345 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाला भोजनालय भी है। जिसमें करीब 100 लोग इकट्ठे, भोजन कर सकते हैं। चेतनाड चिकित्सा सेवा द्वारा उपलब्ध कराए गए डॉक्टर एवं नर्स छात्रों की चिकित्सा संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं। इसके लिए छात्रावास में एक अलग से आपातकालीन चिकित्सा इकाई स्थापित की गई है। सहवासियों की खेलकूद संबंधी रुचियों को ध्यान में रखते हुए बैडमिंटन के दो पक्के मैदान (प्रत्येक छात्रावास में एक) बनाए गए हैं। छात्रों की पाठ्येतर आवश्यकताओं जैसे सांस्कृतिक एवं तकनीकी प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु संगोष्ठी कक्ष तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को कार्यालय समय के बाद भी खोला जाता है।

सारणी 8 स्नातक डिग्री शुल्क ढॉचा

विवरण	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12
A. एक बार शुल्क					
प्रवेश शुल्क	150	150	150	150	150
ग्रेड कार्ड/थीसिस शुल्क	150	150	150	150	150
अनंतिम प्रमाण पत्र	100	100	100	100	100
मेडिकल परीक्षा शुल्क	100	100	100	100	
छात्र कल्याण कोष	200	200	200	200	200
आधुनिकीकरण कोष	300	300	300	300	400
पूर्वछात्र जीवन सदस्यता शुल्क	500	500	500	500	500
प्रकाशन शुल्क	250	250	250	250	250
कुल अ	1750	1750	1750	1750	1750
B. सेमेस्टर शुल्क					
ट्यूशन शुल्क	13500	13500	13500	25000	25000
परीक्षा शुल्क	350	350	350	350	350
पंजीकरण नामांकन	200	200	200	200	200
जिम्खाना	100	100	100	100	500
शुल्क चिकित्सा	50	50	150	150	500
छात्रावास सीट शुल्क	500	500	500	500	500
पंखा, बिजली और पानी शुल्क	300	300	300	300	300
छात्र सुविधाएँ निर्देशिका और प्रयोगशाला और कम्प्यूनिवेशन	1650	1350	1350	1350	2000
कुल बी	16650	16350	16450	27950	29350
C. जमा (वापसी योग्य)					
संस्थान के पुस्तकालय और जमा	2000	2000	2000	2000	2000
D. मेडिकल बीमा प्रीमियम (सालाना)					
	479	496	520	520	900
E. हास्टल मेस शुल्क					
छात्रावास प्रवेश शुल्क	100	100	100	100	100
छात्रावास जमा (वापसी योग्य)	1000	1000	1000	1000	1000
अग्रिम शुल्क भोजन	8000	8000	10000	10000	10000
अनुमानित ए प्रभार	3350	3650	3650	3650	6200
कुल E	12450	12750	14750	14750	17300
शुद्ध कुल(A+B+C+D+E)	33,329	33,346	35,470	46,970	1,300

संस्थान द्वारा आयोजित पाठ्येतर गतिविधियों

27–28 मई 2011 को संस्थान द्वारा अभिकल्पना एवं विनिर्माण पर एक दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में अभिकल्पना एवं विनिर्माण उन्मुखी इंजीनियरिंग पर केन्द्रित शोध पत्र पढ़े गए। सम्मेलन में व्याख्यान हेतु लगभग 125 पांडुलिपियाँ प्राप्त हुई जिसमें से 55 पांडुलिपियाँ सम्मेलन की कार्यवाही के दौरान प्रस्तुति के लिए चयनित की गईं। बाद में इन शोध पत्रों को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अपलाइड इंजीनियरिंग के विशेष प्रकाशन में छापा गया। प्रो जी. के अनन्त सुरेश (आई. आई.एस.ई., बंगलूर) ने सम्मेलन का मुख्य व्याख्यान/ भाषण दिया गया जिसके बाद सम्मेलन के अन्य तकनीकी सत्र एवं आमंत्रित व्याख्या आरंभ हुए। कृष्ण प्रसाद (आईजीसीएसआर, कतपाक्कम), अनुप कुमार सुद (एन आई एफ टी रॉची), श्रवण बावन डी (एन आई टी सुरतखल) को क्रमशः प्रथम तीन श्रेष्ठ शोध पत्र पढ़ने के लिए पारितोषिक प्रदान किया गया। प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की सहभागिता की वजह से सम्मेलन शानदार एवं सफल रहा।



संस्थान के संकाय/ स्टॉफ में छात्रों की सलाहकारी के लिए जरूरी कौशल पैदा करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 23 जून 201 को सम्मेलन कक्ष में किया गया। डॉ जी वी कुमार, जो एक सलाहकार मनोचिकित्सक हैं, ने इस कार्यशाला का संचालन किया। कार्यशाला बेहद संवादात्मक रही। शैक्षणिक तथा पाठ्येतर गतिविधियों में विद्यार्थी उन्मुखी पद्धति एवं व्यक्तित्व आंकलन आदि कुछ क्षेत्रों में काफी वाद एवं परिचर्चा हुई।



बैच 2011 की विदाई

वर्ष 2007 में प्रवेश पानेवाले बी.टेक मेकैनिकल इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) के छात्रों के लिए छायाचित्र सत्र का आयोजन 13 मई 2011 को किया गया। इस कार्यक्रम के बाद संस्थान द्वारा उत्तीर्ण होनेवाले इन छात्रों के लिए दावत दी गई। संस्थान का भूतपूर्व छात्र प्रकोष्ठ उत्तीर्ण होनेवालों छात्रों की जानकारी रखने हेतु उनके साथ स्थाई सम्पर्क बनाया रखता है। हम अपने इन उत्तीर्ण छात्रों की भलाई हेतु उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं तथा हमें उम्मीद है कि इनका संस्थान के साथ रिश्ता आनेवाले वर्षों में अनवरत जारी रहेगा।






2011 बैच – उत्तीर्ण छात्रों के लिए रात्रीभोज

संस्थान का प्रथम दीक्षान्त समारोह

संस्थान का पहला दीक्षान्त समारोह 5 अगस्त 2011 को आयोजित किया गया। प्रो एम एस आनन्त आई आई टी मद्रास के भूतपूर्वक निदेशक समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा श्री आर शेषाशायी जो संस्थान के बोर्ड के चेयरमैन हैं, ने समारोह की अध्यक्षता की। उत्तीर्ण होनेवाले सभी 29 छात्रों ने समारोह में उपाधि प्राप्त करने हेतु उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह का शुभारंभ बोर्ड के सभापति द्वारा किया गया तथा यह बोर्ड/ सिनेट के सदस्यों के पारम्परिक जलूस से शुरू हुआ। स्नातक छात्रों के प्रथम बैच ने बी टेक मैकेनिकल (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) की उपाधि अर्जित की जबकि अनय विधाएं जैसे की इलैक्ट्रानिक्स एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की शुरुआती वर्ष 2007 के बाद आनेवाले वर्षों में संस्थान के कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया। सभी उपस्थित 29 स्नातक छात्रों ने शपथ ग्रहण की तथा अपनी उपाधि हासिल की।

मुख्य अतिथि प्रो एम एस आनन्त ने अपने भाषण में देश में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया तथा इन गतिविधियों का नई पीढ़ी के समाज को बनाने में योगदान को समझाया। शैक्षणिक तथा पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार/ प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह समारोह संस्थान द्वारा तय किया गया एक मील का पत्थर था जो बेहद सफल रहा।

स्नातक	पुरस्कार श्रेणी
<p>मिहिता नुटाकी</p> 	<p>1. शैक्षिक उत्कृष्टता यह पुरस्कार 8वें सैम्स्टर के अन्त में सबसे ज्यादा सीजीपीए प्राप्त करने पर मिलता है।</p> <p>2. सर्वश्रेष्ठ प्राजेक्ट पुरस्कार (सह विजेता) यह पुरस्कार नवीनता एवं सामाजिक योगदान आधारित प्राजेक्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिलता है।</p>
<p>प्रशान्त के वी एस एस डी</p> 	<p>सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट पुरस्कार (सह-विजेता)</p>
<p>सिद्धार्थ के.बी</p> 	<p>सर्वश्रेष्ठ छात्र यह पुरस्कार छात्र की पाठ्य, पाठ्येतर उपलब्धियों तथा संस्थान के लिए योगदान देने सम्पूर्ण प्रदर्शन पर मिलता है।</p>

सारणी 9 प्रथम दीक्षान्त समारोह के मेधावी छात्र



संस्थान का पहला दीक्षान्त समारोह 5 अगस्त 2011

स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थाई परिसर मेलकोट्टयूर काँचीपुरम

देश का 65वां स्वतन्त्रता दिवस संस्थान के मेलकोट्टयूर, स्थित स्थाई परिसर में मनाया गया। रपट में शामिल शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों के शुभारम्भ की घोषणा करते हुए इस अवसर पर संस्थान के स्थाई परिसर का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक ने स्वतन्त्रता दिवस एवं तकनीक समृद्ध लोगों द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व पूरा करने संबंधी भाषण दिया तथा छात्रों ने झांकियां प्रस्तुत की।



पूर्वीय स्थिति कार्यक्रम - 2011

बी टेक एवं एम डेस के प्रथम वर्ष के छात्रों को आई आई आई टी डी एम, काँचीपुरम में विद्यार्थी जीवन के विभिन्न पहलुओं से अवगत करने हेतु 16 अगस्त 2011 को एक पूर्वीय स्थिति कार्यक्रम संचालित किया गया। शैक्षणिक, पाठ्यिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों तथा छात्रावास जीवन से संबंधित नियम एवं शर्तों से संकाय संचालकों द्वारा परिचय कराया गया। डिजाइन क्लब की तरफ से प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत करने हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्रों को मौके पर ही विभिन्न बाधाओं को पार करने एवं हल करने के लिए कहा गया। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों द्वारा अपने मूलभूत ज्ञान तथा उपलब्ध कराए गए सामान्य औजारों को प्रयोग में लाए हुए एक काम चलाउ मॉडल को नियमित अंतराल/ अवधि में तैयार करना था। टैक-क्लब ने इवोलविंग कम्प्यूटर एवं मोबाइल तकनीक पर एक वार्ता का आयोजन भी कराया।



रोबोटिक-लैब्स प्राइवेट लिमिटेड की सहायता से एक दो दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें छात्रों को एक स्वायत्त रोबोट को बनाने एवं प्रोग्राम करने के लिए जरूरी कौशल से दक्ष किया गया। इस संदर्भ में एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम तीन स्थान प्राप्त करनेवाले प्रतियोगियों को आर सी एस ए कनाडा द्वारा संचालित अन्तर्राष्ट्रीय रोबोटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुना गया ।

छात्रावास दिवस

पुरुष छात्रावास (बैनियान) तथा महिला छात्रावास (लोटस) के छात्रावासियों द्वारा प्रथम छात्रावास दिवस बड़े ही भव्य तरीके से मनाया गया। इस उत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार की खेलकूद तथा अन्य रोचक कार्यक्रम लडके व लडकियों के लिए संचालित किए गए तथा इस अवसर का समापन एक भव्य सायंकालीन दावत उड़ाने के साथ हुआ जिसको संकाय/ स्टॉफ एवं छात्रों ने जी भरकर लूटा। इन गतिविधियों से आई आई टीडी एम के छात्रावास जीवन संबंधी इतिहास को रचा गया क्योंकि इस समय विकसित एवं तैयार की जीवन पद्धति की रूपरेखा ही आनेवाले समय के छात्रों की मार्गदर्शन होगी। यह एक अच्छी शुरुआत है जो आवासीय एवं बुनियादी सुविधाओं के पूरी तरह तैयार होने के बाद फलेगी और फूलेगी।



स्थाई परिसर में छात्रावास दिवस समारोह

सामाजिक सेवा दल

संस्थान के सामाजिक सेवा दल को औपचारिक रूप से 20 सितंबर 2011 को चालू किया गया। संस्थान की पर्यावरणीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस अवसर पर पेड़ लगाओं अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हाफिज खान थे। जो एक गैर सरकारी, संस्थान, ई जोन के अध्यक्ष हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक सेवा दल के संकाय संचालक डॉ वी मसिलामणी द्वारा प्रस्तुत स्वागत व्याख्यान से हुई जिसके बाद संस्था के निदेशक ने भाषण दिया। मुख्य अतिथि श्री हाफिज खान जो ग्रीन कलाम नामक हरित धरती आंदोलन के मैनेजर भी हैं ने बाद में एक उत्साहवर्धक तथा जीवनमयी वार्ता दी। आई आई टी डी एम परिवार के सभी सदस्यों ने बड़े जोर शोर से इस गतिविधि में भाग लिया तथा लगभग 500 पेड़-पौधों का रोपण किया गया। संस्थान की एन एस एस विंग भी संस्थान के परिसर के आसपास के गांवों के निवासियों की भलाई के लिए कम्प्यूटर संबंधित कामकाज जैसे डाक्युमेन्टेशन, सूचना पुर्नप्राप्ति आदि हेतु साप्ताहिक ट्रेनिंग कार्यक्रम संचालित करता है। इसके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं संस्थान द्वारा प्रदान की जाती है तथा सामाजिक सेवा दल के छात्र स्वेच्छा से ट्रेनिंग देते हैं। यह कार्यक्रम आस-पास के गांवों में लोकप्रिय हो गया है तथा इसका प्रमाण स्कूली छात्रों तथा वयस्कों की उत्साहवर्धक भागीदारी तथा उनके द्वारा दी गई विवेचना में देखा जा सकता है।



संस्थान में टाटा परामर्श दल (टी सी एल) का दौरा

14 दिसम्बर 2011 को श्री संदीप कुमार घोष, जो टी सी एस की एन पी डी एवं उद्योग सेवाएं तथा रखरखाव इंजीनियरिंग के ग्लोबल हेड हैं, के नेतृत्व में एक दल ने आई आई आई टी डी एम का दौरा किया। संस्थान के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञता संचालकों ने अपने विधाओं द्वारा प्रस्तावित अलग-अलग कार्यक्रमों के बारे में भेंट अर्पित की। टी सी एस की टीम ने भी अपने यहाँ इंजीनियरिंग एवं औद्योगिक सेवाओं, व्यवसाय इकाई अन्य सेवाओं तथा मानव संसाधन के विभिन्न विकास संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी सांझी की। संस्थान द्वारा प्रस्तावित अनूठे अभिकल्पना केन्द्रित पाठ्यक्रमों से टीम बहुत प्रभावित हुई तथा संस्थान के साथ सांझा शोध कार्य एवं छात्र नियुक्तियों में रुचि दिखाई। इस दौर से संस्थान के साथ एक लम्बे एवं परस्पर लाभ हेतु संबंधों की शुरुआत हुई।



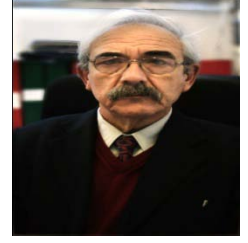
मार्ग-दर्शन

संस्थान के सूचना पत्र ने अपनी छपाई का पहला प्रचारण वर्ष सफलतापूर्वक पूरा किया तथा रपट की समयावधि के दौरान 4 सूचना पत्र प्रकाशित एवं प्रचारित किए गए। देश के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में सूचना के आदान प्रदान हेतु यह पत्र एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ तथा इससे ताल्लुक रखने वाले लोगों से बेहद अच्छी विवेचना मिली। संस्थान की गतिविधियों में वृद्धि के साथ-साथ हम सूचना पत्र के ज्यादा संस्करण छापने एवं इसकी अधिक प्रेषण के प्रति आश्वस्त हैं।

औद्योगिक दौरे एवं आमन्त्रित व्याख्यानों का आयोजन

संकाय स्टॉफ एवं छात्रों की सुविधानुसार संस्थान नियमित अन्तराल पर औद्योगिक दौरों तथा शैक्षणिक विषय विशेषज्ञों द्वारा आमन्त्रित व्याख्यानों का आयोजन करता है। पिछले वर्ष की तुलना में रपट की अवधि के दौरान इस वर्ष में बाहरी विशेषज्ञों द्वारा ज्यादा आमन्त्रित व्याख्यान दिए गए। इस वर्ष में आयोजित आमन्त्रित व्याख्यानों का विवरण नीचे दिया गया है।

- (1) मोदीना सिस्टम्स के श्री रंगनाथ कुमार ने एक तकनीकी भाषण 30 सितम्बर 2011 को संस्थान परिसर में दिया।
- (2) डॉ एस. मणिवासगम, जो ऑनवार्ड टेकनॉलोजी लिमिटेड, पूणे के वर्तमान में मुख्य वितरण अधिकारी है ने नवीन उत्पाद विकास पर एक आमन्त्रित व्याख्या दिया।
- (3) जनवरी 2012 में बर्सिलोना विश्वविद्यालय, स्पेन के प्रो जेवियर विनवास ने न्यूट्रान स्टॉर भौतिकी पर एक निमन्त्रित व्याख्यान दिया।
- (4) गणित विज्ञान संस्थान के प्रो रामानुजन ने गेम्स ऑफ डिस्ट्रीब्यूटीड कम्प्यूटिंग पर एक आमन्त्रित व्याख्यान 13 फरवरी 2012 को दिया। यह भाषण नेटवर्किंग एवं संसाधन साझेदारी के गणितीय मॉडलों पर केन्द्रित था और इसको संस्थान ने काफी सराहा।
- (5) ले जनरल सुन्दरम ने माइक्रो सेन्सर पर आमन्त्रित भाषण दिया।



संस्थान का दौरा करने वाले प्रतिष्ठित वक्ता

औद्योगिक दौरे

हमारे संस्थान के छात्रों ने टी वी एस डेल्फी लिमिटेड का दौरा किया जहाँ उन्हें डीजल इंजन में ईंधन चढ़ाने की प्रक्रिया दिखाई गई। इसके अलावा छात्रों को माइक्रो स्तर विनिर्माण में वायु गुणवत्ता नियंत्रण, प्रणाली रूपरेखा, आदि के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। मौके पर उपस्थित इंजीनियरों ने दृढ़ गति तार काटनेवाली तथा शियरिंग इलैक्ट्राड फलक्स मिक्सिंग, चेम्बर गुणवत्ता आदि मशीनों की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन किया। एजेर वैल्विंग लिमिटेड के दौरे के दौरान छात्रों को वैल्विंग इलैक्ट्राड के विनिर्माण कार्य संबंधित विभिन्न कार्यप्रणालियों को दिखाया गया। छात्रों तथा इंजीनियरों के मध्य तकनीकी संवाद के दौरान इलैक्ट्राड उत्पाद संबंधी कई अन्य अंदरूनी जानकारियाँ हासिल हुईं। हाल ही में संस्थान के छात्र बेनेली स्थिति थर्मल प्लांट तथा खान की यात्रा कर लौटे हैं।



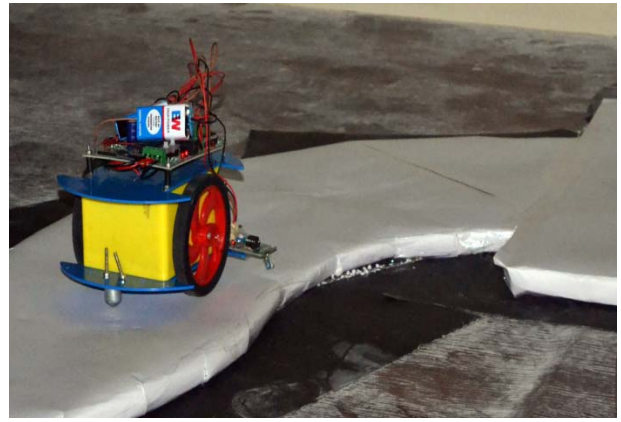
छात्रों की गतिविधियों तथा उपलब्धियों

मार्च 2012 में संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक एवं तकनीकी समारोह/त्योहार 'समागता' के दूसरे संस्मरण का आयोजन भव्य तरीके से किया गया। समागता 2012 के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रकार के तकनीकी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र समुदाय द्वारा बढ चढकर भाग लिया गया। कुछ तकनीकी कार्यक्रम जैसे, इंजीनर्ड, इग्नोबल, लाइव वायर, कोडिंग, रोबोटिक्स आदि तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों जिनमें कॉलेज, भाषण, फोटो खिंचना, लघु फिल्म बनना, रंगों की छाया आदि शामिल थे इस अन्तरा संस्थान समारोह का मुख्य हिस्सा बने। इस वर्ष के संस्मरण में आयोजित कार्यक्रमों में वृद्धि दर्ज की गई तथ यह समारोह बेहद सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

आईआईटीएम ग्वालियर द्वारा संचालित अन्तर संस्थान खेलकूद प्रतियोगिता त्वरण 2012 में संस्थान के खेलकूद दल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस वर्ष इस प्रतियोगिता में आई आई आई टी एम के अलावा एन आई टी एवं अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों ने भी भाग लिया तथा स्वर्ण पदकों के हिसाब से संस्थान तीसरी तथा पदकों के हिसाब से पदक तालिका में दूसरा स्थान प्राप्त किया। संस्थान ने 2 स्वर्ण, 9 रजत, 4 कांस्य पदक जीते। खेलकूद प्रतियोगिता में जीते गए पदकों का विवरण तालिका 10 में सारणीबद्ध है। आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित सन्मार क्रिकेट प्रतियोगिता में संस्थान की क्रिकेट टीम ने हिस्सा लिया। यह एक वार्षिक प्रतियोगिता है जिसमें चेन्नई के आसपास के सभी मुख्य इंजीनियरिंग कालेज प्रतियोगिता करते हैं।



आईआईआईटीएम के छात्रों की गतिविधियों – एक दृश्य



	नाम	खेल	पदक
1	सरवण कुमार	शतरंज	स्वर्ण
		4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
		1600एम	कांस्य
2	तदर अमर	शतरंज	रजत
		4x400 रिले	रजत
3	श्रवण	टेबल टेनिस	स्वर्ण
4	स्ववेश	टेबल टेनिस	स्वर्ण
		वॉली बाल	रजत
5	गौतम सुर्या	टेबल टेनिस	स्वर्ण
6	जी.पी. सतीश	टेबल टेनिस	स्वर्ण
7	रंजित कुमार	टेबल टेनिस	रजत
			रजत
8	सुगन्ध कृष्णा	वॉली बाल	रजत
			रजत
9	अनिल कुमार	वॉली बाल	रजत
10	श्री चन्द्र तेजा	वॉली बॉल	रजत
11	नीरज उत्तपाल	वॉली बॉल	रजत
12	दासरी श्रीधर	वॉली बॉल	रजत
		4x100 रिले	रजत
13	के. सुदर्शन	वॉली बॉल	रजत
14	अमित कुमार	वॉली बॉल	रजत
15	बी.एस. नवीन	वॉली बॉल	रजत
16	नवीन. सी	100एम	रजत
		4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
		3.5 Km	कांस्य
17	सुरेन्द्र दुडी	4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
18	रंजना कुमारी	4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
19	अनुजा	4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
		100एम	रजत
		400एम	रजत
20	स्वातीलक्ष्मी	4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत
		100एम	कांस्य
		400एम	कांस्य
21	सौम्या नून	4x100 रिले	रजत
		4x400 रिले	रजत

सारणी 10 संस्थान पदक विवरण त्वरण 2012 स्पोर्ट्स मीट में



हमारे छात्रों द्वारा अर्न्तसंस्थान स्तरीय प्रतियोगिताओं के कुछ अन्य मुख्य योगदान इस प्रकार हैं :

- ❖ आई आई टी मद्रास के खेल भवन में आयोजित भारोतोलन प्रतियोगिता के +75 किलोग्राम श्रेणी (ओपन) में विक्रान्त सिंह (डीएम08बी058) ने स्वर्ण पदक जीता। उसने अलग प्रयासों में कुल 345 किलोग्राम वजन उठाया ।
- ❖ 25 सितंबर 2011 को आई आई टी मद्रास के खेल भवन में आयोजित भारोतोलन प्रतियोगिता के +77 किलोग्राम श्रेणी में विक्रान्त सिंह (डीएम08बी058) ने कांस्य पदक जीता। उसने अलग प्रयासों में 70 किलोग्राम (स्नैच) तथा 100 किलोग्राम (क्लीन एवं जर्क) वजन उठाया ।

आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव शास्त्रा में निम्नलिखित छात्रों ने प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरस्कार एवं पदक प्राप्त किए।

- ❖ बरुण मेहर (सी ओ ई 10) एथीकल हैकिंग, प्रथम स्थान
- ❖ राज विनेष (एमडीएम) : पेपर प्लेनस, द्वितीय स्थान
- ❖ बच्चु शिव कृष्ण, अंजन राव (एमडीएम 2009) : डेसमण्ड का फाईनलिस्ट
- ❖ सिद्धार्थ, उत्कर्ष, कोशिक (एमडीएम 09): प्रोजेक्ट एक्स में दूसरा स्थान
- ❖ अमित कट्टा, प्रीतम, अनिल कुमार (एमडीएम 09): प्राजेक्ट एक्स में चौथा स्थान
- ❖ कोट्रासेप्शन दल : कांट्रोसेप्शन में छठा स्थान

छात्रों द्वारा शोध पत्र प्रकाशन

- नाग कृष्ण चैतन्य के, अदील अहमद कुरेशी एन्ड एस जेयवेल, डिजाइन एन्ड फेब्रिकेशन ऑफ ए रिएक्टर टू प्रोड्यूस बायोडिजल फरोम नीम आयल, प्रोसिडिंग्स ऑफ रिसेन्ट ट्रेन्ड्स इन अल्टरनेट ऐनर्जी 2011, पेपर नं.50 एन आई टी कालीकट, जून 9–10, 2011
- नवीन कुमार, जी विश्वनाथ,, अनुराग गुप्ता, एन एक्सर्जी बेसड यूनीफाइड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर सोलर कुकरज ऑफ डिफरेन्ट जेमेट्रीज, पेपर नं.0061 एस टी एच, प्रोसिडिंग्स ऑफ वर्ल्ड रिन्यूवेबल एनर्जी कांग्रेस 2011, लिकोपींग स्वीडन, मई 8–13, 2011
- नवीन कुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता, एन एक्सर्जी बेसड यूनीफाइड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर सोलर कुकरज ऑफ डिफरेन्ट जोमेट्रीज, रिन्यूवेबल एनर्जी, 44, 2012, 457–462, इम्पेक्ट फेक्टर: 2.7
- नवीन कुमार, जी विश्वनाथ (एमडीएम 2008), अनुराग गुप्ता(एडीएम 2008), एम एक्सर्जी बेसड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर ट्रन्केटड पिरमिड टाइप सोलर बॉक्स कुकर ' एनर्जी, 36 (11), 5710–5715, 2011, 'इम्पेक्ट फेक्टर 3.56
- बंसल, यू, सिनदूरा, बी बी पनीरसेल्वम, एम, सन्तकुमार, एस, 'डिजाइन एंड डिवलपमेंट ऑफ ए ट्रान्जेसनल माइक्रो एयर व्हीकल ', इन प्रोसिडिंग्स ऑफ सिम्पोसियम ऑन एप्लाड ऐरोडाइनेमिक्स एन्ड डिजाइन ऑफ ऐरोस्पेस व्हीकलस (एस ए आर ओ डी 2011), पेपर सं.264, डी आर डी ओ बेंगलोर, नवम्बर 16–18, 2011
- नवीन कुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता, "ए प्रोपोसल फॉर सिंगल थेमल पेरमाफ्रेंस टेस्ट स्टान्डर्ड फॉर डोमस्टिक बॉक्स टाइप और एस के-14 कान्सेन्ट्रेटिंग टाइप सोलर कुकर्स ' एनर्जी रिसर्च में अडवान्सस पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय कांफरेन्स का कार्यवृत्त, अब्स्ट्रक्ट सं.137, आई आई टी बंबई, दिसंबर 9–11, 2011
- जी.पी. हरिकृष्णन, लिनेट थॉमस, इन्द्रेश वर्मा, आर बालवेंकटेश व नवीन कुमार 'पिजोएलेक्ट्रिक ट्रान्सड्यूजर अरेन्जमेंट फॉर ग्रीन एनर्जी हार्वेस्टिंग ' में एनर्जी रिसर्च में अडवान्सस पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय कांफरेन्स का कार्यवृत्त, अब्स्ट्रक्ट सं.137, आई आई टी बंबई, दिसंबर 9–11, 2011
- एस. गंगा प्रसात, एम. सुदर्शन और एस. जयवेल, 'न्यूमरिकल स्टडी ऑन इंफ्लेयन्स ऑफ ब्लोविंग ऑन लिड ड्रिवेन केविटी फ्लो यूसिंग एलसीएस ' दि 12–16, 2011 को आईआईटी कान्पूर में आईयूटीएएम सिम्पोसिम ऑन ब्लफ बॉडी फ्लो (ब्लबॉफ 2011) में पेपर सं.83
- अनुराग गुप्ता व जी विश्वनाथ को वर्ष 201 में लिकोपीगन विश्वविद्यालय स्वीडन में आयोजित 'वर्ल्ड रिन्यूवेबल एनर्जी कांफरेन्स में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए 2000 पाउंड के बराबर की छात्रवृत्ति मिली ।

नियुक्तियों / इन्टरशिप

वर्ष 2007 के मैकेनिकल इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) बैच ने अभिकल्पना एवं विनिर्माण क्षेत्र की कोर कंपनियों में लगभग 70 प्रतिशत नियुक्तियां पाई तथा लगभग 25 प्रतिशत छात्रों ने विदेशों में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु दाखिले पाये। रपट की समयावधि के दौरान लगभग 11 कम्पनियों ने परिसर नियुक्तियों संबंधी उद्देश्य से संस्थान का दौरा किया। बी टेक इलैक्ट्रानिक इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग (डी एण्ड एम) तथा एम डैस (मेकनिकल सिस्टम्स एवं इलैक्ट्रानिक सिस्टम्स) के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र मई 2012 में उत्तीर्ण होंगे। इन कार्यक्रमों के योग्य छात्रों में से लगभग 62 प्रतिशत विद्यार्थियों की नियुक्ति हो चुकी है तथा काफी अन्य देश विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पी एचडी एवं एम एस कार्यक्रमों में प्रवेश पाया। टैगू टैक इंडिया लिमिटेड, एच सी एल टेक्नोलोजिज, अशोक लैलैण्ड, फ़ैब टैक प्रोजेक्स एवं इंजीनियर्स, वाटर जेट जर्मनी, कांग्निजेंट टेक्नोलोजिकल सालूसन्स आदि कुछ प्रमुख कम्पनियों के नाम हैं जिन्होंने संस्थान के छात्रों को परिसर नियुक्ति प्रदान की। कुछ अन्य कम्पनियों जिन्होंने इस दौरान संस्थान का दौरा किया है को नीचे तालिकाबद्ध किया गया है।

क्रम सं	कंपनी का नाम	ऑफ़रों की संख्या
1	काग्निजेंट टेक्नोलोजिकल सोल्यूशन्स (प्रोडक्ट डिजाइन ग्रूप)	14
2	एचसीएल टेक्नोलोजिज (प्रोडक्ट डिजाइन ग्रूप)	8
3	अशोक लैलैण्ड	4
4	म्यु सिग्मा बिजनेस सोल्यूशन्स	5
5	वाटर जेट जर्मनी प्राइवेट लिमिटेड	1
6	सूर्या जेन रिन्चूवेबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	5
7	टाटा कन्सल्टेन्सी सर्वीसस	1
8	अशोक लैलैण्ड लिमिटेड	4
9	फ़ेबटेक पाजेक्ट्स अण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड	2
10	अपोलो टायर्स	1
11	एसवीपी लेसर टैक	2

संस्थान एवं उद्योग के बीच संवाद

विभिन्न प्रकार के उद्योगों के बीच बड़े स्तर पर संवाद को संस्थान बढ़ावा देता है। हमारे संस्थान ने नीचे तालिका में दिए गए उद्योगों के साथ समझौते किए हैं। पाठ्यक्रमों की जरूरतों को पूरा करने के लिए गर्मी की छुट्टियों के दौरान छात्र द्वारा किन्हीं संकाय के सदस्य की देख-रेख में किसी उद्योग में प्रोजेक्ट पर काम करना आवश्यक है। इससे पाठ्यक्रम से सीखे गए ज्ञान में महारत हासिल करने तथा जमीनी स्तर पर अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलती है।

जियुस न्यूमरिक्स, पूणे	हुमेल बास्च, बँगलोर	बास्च, बँगलोर
मॉन-हुमेल, बँगलोर	निस्सान लेलैंड, चेन्नई	डेल्टिफ-टीवीएस, चेन्नई
व्हील्स इंडिया, चेन्नई	सूर्या जेन, बंगलूर	हयुन्डाई, चेन्नई
बेल, राणीपेट	डेयवेक पम्प्स, चेन्नई	पेरफेक्ट इन्स्ट्रुमेन्ट्स, चेन्नई
समीर, चेन्नई	योगोकावा, चेन्नई	राष्ट्रीय इस्पात निगम
इंडस टेकसाइट प्राइवेट लिमिटेड	मिचलिन टायर्स	

सारणी 11 आईआईटीडीएम द्वारा उद्योगों के साथ संवाद

मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ (जीसीसी)

संस्थान का मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ संकाय, स्टॉफ तथा छात्रों द्वारा संचालित होता है तथा यह छात्रों को पाठ्य एवं पाठ्येतर संबंधी मामलों पर सलाह मशवरा करने का मंच उपलब्ध करवा रहा है। यह प्रकोष्ठ छात्रों के एक दल को उनकी पाठ्य एवं व्यक्तिगत समस्याओं में निजात दिलवाने के उद्देश्य से उन्हें एक संकाय सदस्य के साथ सुरक्षित बांध देता है। यह प्रकोष्ठ नवआगन्तुक छात्रों का वरिष्ठ/ पुराने छात्रों के साथ परिचय करवाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करता है तथा उनकी दिन प्रतिदिन संबंधी समस्याओं का निवारण भी करता है। संकाय और स्टॉफ के सदस्य छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन सुधार एवं सम्पूर्ण विकास हेतु अभिभावकों को सलाह देता है। प्रकोष्ठ के छात्र सदस्य अपने साथी सहपाठियों का ध्यान ख्याल रखते हैं तथा किसी संभावित समस्या का बेहतर समाधान हेतु उसे प्रकोष्ठ को अवगत कराते हैं तथा किसी संभावित समस्या का बेहतर समाधान हेतु उसे प्रकोष्ठ को अवगत कराते है। इससे उन अकेले रहने वाले छात्र जो जी सी सी के संपर्क में नहीं आते के साथ भी संवाद होने में मदद मिलती है।

आई आई आई टी डी एम संकाय तथा स्टॉफ

संस्थान के उपस्थित रजिस्टर में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिकल/ इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, गणित एवं भौतिकी की विभिन्न शाखाओं में प्रोफसर तथा 19 सहायक प्रोफसरों के नाम दर्ज हैं। आई आई आई टी डी एम में संकाय नियुक्ति/ चयन हेतु अन्य आई आई टी में पालन की जानेवाली चयन प्रक्रिया को ही अपनाया जाता है। डाक्टरेट, डिग्री धारक, उत्कृष्ट शोध कार्य एवं प्रमाणित शैक्षिक योग्यता रखनेवाले आवेदकों की संकाय पदों पर नियुक्ति की जाती है। वर्ष 2007 में संस्थान की स्थापना के बाद संकाय नियुक्ति हेतु तीन राउन्ड पूरे किए गए हैं। पहले दो राउन्ड को नवम्बर 2008 तथा जून 2009 में पूरा किया गया। रपट की अवधि के दौरान चार नए संकाय सदस्यों को आईआईआईटीडीएम परिवार में शामिल किया गया है। रपट की अवधि के दौरान संस्थान में नए भर्ती किए गए संकाय के सदस्यों का विवरण नीचे दिया गया है। संस्थान के सभी संकाय विशिष्ट का विषय विवरण तालिका 12 में दर्शाया गया है। सूची 13 में संस्थान के प्रशासनिक एवं तकनीकी स्टॉफ का विवरण सारणीबद्ध है।

प्रयोगशालाओं/ शैक्षणिक/ प्रशासनिक गतिविधियों में मदद करने हेतु संस्थान में तकनीकी स्टॉफ की भर्ती मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रानिकल विषयों में भर्ती की गई।

क्रम सं	नाम	पद	विशेषज्ञता
01	प्रो आर न्यानमूर्ति	निदेशक एवं प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
02	डॉ श्रीकुमार एम	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
03	डॉ बिन्सु जे कैलाथ	सहायक प्रोफसर	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग .
04	डॉ शाहुल हमीद खॉन बी	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
05	डॉ शिवसेल्वन बी	सहायक प्रोफसर	कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग
06	डॉ शालु एम ए	सहायक प्रोफसर	गणित
07	डॉ नवीन कुमार	सहायक प्रोफसर	भौतिकी
08	डॉ मसिलामणी	सहायक प्रोफसर	कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग
09	डॉ तपस सिल	सहायक प्रोफसर	भौतिकी
10	डॉ सेलवज्योति के	सहायक प्रोफसर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
11	डॉ दामोदरन पी	सहायक प्रोफसर	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
12	डॉ राजा बी	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
13	डॉ विजयकुमार एस	सहायक प्रोफसर	गणित
14	डॉ अरिवळगन ए	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
15	डॉ जयवेल एस	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
16	डॉ नूर मुहम्मद एस	सहायक प्रोफसर	कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग
17	डॉ पांडितेवन पी	सहायक प्रोफसर	यांत्रिक इंजीनियरिंग
18	डॉ कार्तिकेयन एस एस	सहायक प्रोफसर	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
19	डॉ रम्या	सहायक प्रोफसर	इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

सारणी 12 आईआईआईटीडीवएम संकाय विवरण



19 जुलाई 2011 को डा नूर माहम्मद ने सहायक प्रोफसर के पद पर सेवा भार ग्रहण किया।। उन्हें उच्च गति की कम्प्यूटर संरचना के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल है। उन्होंने पी एच डी की उपाधि आई आई टी मद्रास के कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग से हासिल की है। उनके शोध रुचि वी एल एस आई डिजाइन तथा रिकन्फिग्रेबल कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में है तथा उन्होंने आई ईईई ट्रान्सेक्शन में पाण्डुलिपियां छापी हैं।



अगस्त 2011 में डॉ पी पांडितेवन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषय में सहायक प्रोफसर का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने पी एच डी की उपाधि आई आई टी गुवाहटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से 2010 में प्राप्त की। वे उत्तम इंजीनियरिंग, चिकित्सीय प्रतिबिम्ब आधारित पुनसंरचना, अभिकल्पनात्मक जटिलता ज्योमिति आदि क्षेत्रों में अनुसंधान की रुचि रखते हैं।



17 अगस्त 2011 को डॉ एस एस कार्तिकेयन ने संस्थान के इलेक्ट्रॉनिकी विषय में सहायक प्रोफसर के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने आई आई टी गुवाहटी से इलेक्ट्रॉनिकी इंजीनियरिंग में पी एच डी की उपाधि प्राप्त की। आई आई आई टी डी एम परिवार के सदस्य बनने से पहले वी वी आई टी वेल्लोर में

सहायक प्रोफसर के पद पर कार्यरत थे। उनकी शोध रुचियों में प्लैनर माइक्रोवेव डिवाइस, माइक्रो सटरिप एंटीना, मेटा मेटीरियल्स तथा आर एफ मैम्प शामिल हैं।



डॉ रम्या ने दिसंबर 2011 में संस्थान के इलैक्ट्रानिक विनियम में सहायक प्रोफसर का पदभार ग्रहण किया। उन्हें वायरलैस कम्यूनिकेशन विशेषज्ञता वाली पी एच डी की उपाधि आई आई टी मद्रास द्वारा प्रदान की गई है। यहाँ आने से पहले वे टाटा इलक्सी में कार्य करती थी। उनकी शोध रुचियों में वायरलैस कम्यूनिकेशन, एडैप्टिव कम्यूनिकेशन तथा सूचना प्रौद्योगिकी सिद्धांत आदि शामिल हैं।

संकाय के सदस्यों को उनके दैनिक शासकीय कर्तव्यों के क्रियान्वयन हेतु व्यक्तिगत कामचलाउ धनकक्ष, डेस्कटॉप, छपाई यन्त्र तथा अन्य सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। उनकी शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों में प्रोत्साहन करने के उद्देश्य से उनको प्रारंभिक शोध अनुदान तथा लेपटाप भी उपलब्ध कराए गए। उन्हें प्रतिष्ठित जर्नलों एवं सम्मेलनों कार्यवाही रपटों तक ऑन लाइन पहुँच की सुविधा है तथा उनको जाने माने जर्नलजों में सम्मेलनों में शोध पत्र छपने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संकाय के सदस्यों को देश विदेश में आयोजित सम्मेलनों में अपने शोध प्रस्तुत करने हेतु संस्थान द्वारा प्रायोजित किया जाता है तथा इसके लिए उन्हें व्यावसायिक विकास संचय भत्ते की सुविधा का आबंटन किया है। विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेनेवाले संकाय के सदस्यों को नीचे क्रमवार लिखा गया है।

(1) डॉ शाहुल हमीद खान

- (a) 24-25 नवंबर 2011 को सिंगापुर में आयोजित "एडवान्सड टॉपिक इन आर्टीफ सियल इन्टैलिजेंस (ए डी ए आई 2011) नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एन्यु कनसट्रक्टिव बेसड एलगोरिथम फार परम्युटेशन फलो शॉप शैडयूलिंग विद मिनी माइजिंग मेक प्लान " शीर्षक का शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- (b) 11-13 नवम्बर को इटली के वेनिस में आयोजित "बिजनेस, फाइनेन्स, इकनामिक्स एन्ड मैनेजमेंट साइंस ' नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " न्यू हेयूरिसटिक्स फार मिनिमाइजिंग मेकसपान, मिन फलो टाइन एन्ड मैकसिमम ट्रेडिनेस इन परमूटेशन फलो शाप " शीर्षक का शोध पत्र प्रस्तुत किया।

(2) डॉ मासिलामणि

- (a) 21-29 सितम्बर 2011 को यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया में आयोजित 'बायो-इनसफाइयर्ड कम्यूटिंग थयूरीज एनड एप्लीकेशन्स ' नामक छठी अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पी सिस्टम बेस्ड ऑनस्टीकर आपरेशन्स ' शीर्षक का शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- (b) 11-13 अप्रैल 2012 के दौरान इटली के वेनिस में आयोजित 'डिजिटल इमेज प्रासेसिंग' नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डबल स्पलाईसिंग ऑन आई एस ओ ऐ एस ' शीर्षक का शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- (3) डॉ शिवसेल्वन बी को 30-31 दिसंबर 2011 को बैंगलोर में आयोजित डाटा इंजीनियरिंग एंड कम्यूनिकेशन सिस्टम्स, आई सी डी ई सी एस 2011, नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र जिसका शीर्षक "ए नोबल नोलेज इंजीनियरिंग बेसड डाटा कम्प्रेसन स्कीम " है को प्रस्तुत करने के लिए संस्थान द्वारा प्रायोजित किया गया।

- (4) 9-11, दिसंबर 2011 को आई आई टी बॉम्बे में आयोजित एडवान्सिज इन ऐनर्जी रिसर्च नामक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत करने के लिए डॉ नवीन कुमार को संस्थान द्वारा अनुदान प्रदान किया गया ।
- (5) 25-28 मार्च 2012 को अमेरिका में आयोजित कम्प्लेक्सिटी, इन्फोरमेटिक्स एवं साइबर नेटिक्स (आई एम सी आई सी 2012) पर आधारित तीसरे अन्तर्राष्ट्रीय बहु सम्मेलन में अपना शोध पत्र जिसका शीर्षक 'फीड बैक सिस्टम फॉर इलेक्ट्रिक ट्रीमर " है को प्रस्तुत करने के लिए डॉ के सेलवज्योति को संस्थान द्वारा प्रायोजित किया गया ।

क्रम सं	नम	पद
1.	प्रो आर न्यानमूर्ति	निदेशक
2.	ले कर्नल (रिटायर्ड) जयकुमार	रजिस्ट्रार
3.	श्री ए. चिदम्बरम	उप रजिस्ट्रार
4.	श्री पी एम श्रीराम भास्कर	कनिष्ठ तकनीकी सुपरिडेंट
5.	श्री पी राजकुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक
6.	श्री एस पांडियन	कनिष्ठ इंजीनियर
7.	श्री एन अगिलन	कनिष्ठ सहायक
8.	मि एस. राजलक्ष्मी	कनिष्ठ सहायक
9.	श्री एस सरवणन	कनिष्ठ सहायक
10.	मि जी. सुभाषिणी	कनिष्ठ सहायक
11.	मि के मणिमैगलै	कनिष्ठ तकनीशियन
12.	श्री जी. मणिकण्डन	कनिष्ठ तकनीशियन
13.	श्री एम बालाजी राजा	कनिष्ठ तकनीशियन
14.	श्री सी. गुरुनाथन	तकनीकी अधिकारी ग्रेड 1
15.	श्री वीगणेश्वरन	कनिष्ठ तकनीशियन

तालिका 13 प्रशासन दल – आईआईटीडी व एम कॉचीपुरम

निम्नलिखित स्टॉफ के सदस्यों को अपनी प्रतिनियुक्ति सेवा समापन के बाद मूल संस्थान में लौटने हेतु या अन्य कारणों से रिलीव कर दिया गया ।

- (1) सुश्री के. विजयलक्ष्मी – सुपरिडेंट
- (2) श्री वी. शैनमुगम – कनिष्ठ एकाउंटेंट
- (3) श्री एन उमा शंकर – असिस्टेंट रजिस्ट्रार

संकाय पदों पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय महत्व की संस्थाओं के समान व्यवस्था का पालन किया जाता है तथा प्रतिष्ठित संस्थाओं के प्रतापी शिक्षकों से बनी हुई चयन समिति की अनुसंशा एवं बोर्ड की सहमति के बाद ही संकाय की नियुक्ति होती है। निदेशक एवं बोर्ड की सहमति के बाद बनाई गई चयन समिति द्वारा संचालित लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर तकनीकी एवं सहायक स्टॉफ की नियुक्ति होती है। संस्थान के संकाय, तकनीकी एवं सहायक स्टॉफ के पदों की नियुक्तियों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं एवं चयन प्रक्रिया जारी है तथा अगले साल रपट में इसका पूरा विवरण दिया जाएगा।



संकाय की उपलब्धियाँ

संस्थान के संकाय सदस्य अपनी शैक्षणिक कार्य के अतिरिक्त शोध और विकास में लगे हुए हैं, प्रतिष्ठित सम्मेलनों और पत्रिकाओं की कार्यक्रम समितियों में निर्णायक रूप में सेवा देते हैं, आमंत्रित भाषण प्रदान कर अन्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संस्थानों के महत्व पर सांझा करते हैं। इस वर्ष के लिए अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, पत्रिकाओं, कार्यशालाओं में उपस्थिति और योगदान का आयोजन में उसके प्रकाशन की विस्तृत सूची नीचे सूचीबद्ध की गई है।

शोध प्रकाशन

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित / सह-लिखित पत्रिकाओं और सम्मेलन प्रकाशनों की संक्षिप्त समीक्षा सारणी 14 में दी गई है। उनकी विस्तृत सूची सारणी में वर्णित है।

सारणी 14 आई आई आई टी डी एम कौंचीपुरम संस्थान प्रकाशन (2011-12)

क्रम सं	प्रकाशन प्रकार	संख्या
01	अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएँ	16
02	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	13
	कुल	29

पत्रिकाएँ

- ✓ एस. कृपा शंकर, सी. गुरुनाथन, आर. न्यानमूर्ति, ट्रान्समिशन ऐफीशेन्सी ऑफ पालीमाइड नेनोकम्पोसिट स्पर गियर, मेटेरियल एंड डिजाइन 39, पीपी 388-343, 2012
- ✓ आनंदकुमार एस, गणेश सुन्दर रामन, टी एस एन शंकरनारायणन, न्यानमूर्ति आर, फ्रेटिंग वियर बिहेवियर ऑफ लेजर पीन्ड टीआई-6एएल-4वी ट्राइबॉलाजी ट्रान्सेक्शन्स (प्रेस में)
- ✓ आनंदकुमार एस, गणेश सुन्दर रामन, टी एस एन शंकरनारायणन, न्यानमूर्ति आर, इन्फ्लूयन्स ऑफ सर्फेस मेकनिकल अट्रिशन ट्रीटमेंट ऑन द फ्रेटिंग वीयर बिहेवियर, टीआई-6एएल-4वी, अडवान्स्ड मेटेरियल्स रिसर्च, 463-464, 316-320
- ✓ केवीएसएसडी प्रणसथ, एम. श्रीकुमार, डिजाइन ऑफ ए न्यू बयोमिमेटिक फलो पम्प यूसिंग एसएमए एक्टुयेटर्स, अप्लाइड मेकनिक्स अण्ड मेटेरियल्स, 110-116, 2903-2910, 2012
- ✓ नवीनकुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता, एन एक्सजी बेस्ड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर ट्रनकेटेड पिरमिड टाइप सोलर बॉक्स कुकर, एनर्जी जर्नल, 5710-5715, 2011, इम्पेक्ट फेक्टर :3.56
- ✓ नवीनकुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता, एन एक्सजी बेस्ड युनिफाइड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर सोलर कुकर्स ऑफ डिफरेंट जामेट्रिज, रिन्यूबल एनर्जी 44,2012, 457-462, इम्पेक्ट फेक्टर:2.7

- ✓ नवीन कुमार, एम.आर. शिनोंय, बी.पी पॉल, फसॉर नोटेशन्स – बेस्ड सिम्पल एनटिकल मेथड फॉर एन इन्ट्यूटिव डिजाइन ऑफ वेवलेंथ इन्टरलीवर विथ फलेटटॉप रेस्पून्स– आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, 57 (3) 2011, 219–226
- ✓ आर कार्तिक, एन हरिश, बी राजा, पी. दामोदरन, थर्मल कंडक्टिविटी ऑफ सीयूओ–डी वाटर नेनोफ्लूयिड्स यूसिंग 3 ओमेगा मेशरमंट तकनीक इनके सस्पेंडड माइक्रो व्हाइट, एक्सपेरिमेंटल थर्मल फ्लूयिड साइन्सस, इम्पेक्ट फेक्टर 1.247
- ✓ पी बालचन्द्र, बी राजा, डी मोहनलाल, एवापेटिव हीट ट्रान्स्फर केरेक्टरिस्टिक्स ऑफ आर 404ए और आर 134ए, अन्डर पेरिड हीट फल्क्स कन्डीशन्स एक्सपेरिमेंटल हीट ट्रान्स्फर 2011
- ✓ एल गॉडसन, बी राजा, डी मोहन लाल, एस वांगवाइसेस, कनेक्टीव हीट ट्रान्स्फर क्रेकटरसटीक्स ऑफ सिल्वर वाटर नेनोफ्लूइड अन्डर लेमीनार एंड ट्रबूलेन्ट फलो कन्डीशन्स, जनरल ऑफ थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशन्स, ए एस एम ई
- ✓ एल गॉडसन, बी राजा, डी मोहन लाल, एस वांगवाइसेस, कनेक्टीव हीट ट्रान्स्फर एप्लीशन्स इन नेनोफ्लूइड्स एनड डिवलेपमेंट ऑफ कोरिलेशन्स, पर्टीक्यूलोजी
- ✓ उषा सेट, श्री कुमार एम, डिवलेपमेंट ऑफ डाइलेटीक, इलेक्ट्रोएक्टीव पोलिमेर एक्टयूसट फॉर रोबोटिक्स एप्लीकेशन्स, रिसेन्ट पेटेन्ट ऑन मेकेनिकल इंजीनियरिंग, 4(2),180-187, 2011
- ✓ गुरुनाथन सी, कृपाशंकर एस, न्यायामूर्ति आर, वियर क्रेकटरसटीक्स ऑफ पॉलीमाइड नेनोकम्पोसिट सपर गियरस, प्रोस, आई मैक एफ, पार्ट जे, जनरल ऑफ इंजीनियरिंग ट्रीबोलोजी, 25(5), 299-306, 2011
- ✓ मिहिता एन, गुरुनाथन सी, न्यायामूर्ति सी, एफ ई सिमुलेशन ऑफ स्लाईडिंग वीयर इन मेटेलिक मेटेरियल, इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च 6(5), 727-732, 2011
- ✓ शाहुल हमीद खान एन्ड गोविन्दन कानन, ए मल्टीऑब्जेक्टिव सिमूलेटीड एनीलिंग एल्गोरिथम फॉर परमूटेशन फलो शीओप फेल्यूडीगन प्रब्लम इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एडवान्स्ड आपरेशन्स मेनेगेन्ट , 3(1), 89-10, 2011
- ✓ पी बालचन्द्र, बी राजा एन्ड डी मोहनलाल, इन्वेस्टीगेशन ऑन बोआलिग हीट ट्रान्स्फर ग्रेकटरसटीक्स ऑफ आर 404 ए इन एन 7.49 एम एमएसमूथ हॉरिजान्टल ट्यूब, एक्सपेरिमेंटल हीट ट्रान्स्फर , 24(4),2011,35-369

सम्मेलन

- ✓ ए एस प्रसन्ना वेकटेशन, डी जी थोम्स, वी मासिलामणी, स्पिलैसिंग आईएसओ अरे पी –सिस्टम, एस्पटीडइन 14 इन्टरनेशनल वर्कशॉप ऑन काबिनेटोरियल इमेज अनलसिस (आई डब्ल्यू सी आई ए 2011) हेल्ड इन मेड्रीड, स्पेन, डयूरिंग 23–25, मई 2011
- ✓ वी. मासिलामणी, ए एस प्रसन्ना और डी.जी थॉमस पी सिस्टम्स बेस्ड ऑन स्टिकल आपरेशन्स, इन सिक्स्थ आईईईई इन्टरनेशनल कांफरेन्स ऑन बयो–इन्स्पायर्ड कम्प्यूटिंग : थियूरी अण्ड अप्लिकेशन्स (बीआईसी–टीए 2011) हेल्ड इन यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया, पिनांग, मलेशिया, डयूरिंग सितम्बर 27–29, 2011
- ✓ सी. मासिलामणी, डी, जी थॉमस, स्वीटी,अण्णा दुरै, कल्याणी, अलाग्रिथम फॉर री कन्स्ट्रक्शन ऑफ ट्रायंगुलर अण्ड हेक्सगनल एरेस, इन फिफथ इंडियन इनटरनेशनल कानफरेन्स ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजिन्स (आईआईसीएआई–11) टु बी हेल्डइन तुमकूर, बंगलूर, डयूरिंग दिसंबर 14–16, 2011

- ✓ बी. शिवसेल्वन, ए नॉवल क्नालेडज इंजीनियरिंग बेस्ड डाटा काम्प्रेषन स्कीम, इन इन्टरनेशनल कांफरेन्स ऑन डाटा इंजीनियरिंग अण्ड कम्प्यूनिकेशन सिस्टम्स, बंगलूर, दिसंबर 2011
- ✓ वी मासिलामणी, डबल स्पिलाइसिंग ऑन आईएसओ एरेस, इन इन्टरनेशनल काफरेन्स ऑन डिजिटेल इमेज प्रासेसिंग, वेनिस, इटली डयूरिंग अप्रैल 11–13, 2012
- ✓ श्रीराम एम, शर्मा स्वागत, सेल्वज्योती के, फीडबैक सिस्टम फॉर एलेक्ट्रिक ट्रिगर इन थर्ड इन्टरनेशनल मल्टि काफरेन्स ऑन काम्प्लेक्सिटी, इन्फार्मेटिक्स अण्ड साइबरनेटिक्स आईएमसीआईसी 2012, यूएसए डयूरिंग मार्च 25–28, 2012
- ✓ जी.पी. हरिकृष्णन, लिनेट थॉमस, इन्द्रेष वर्मा, आर. बालवेकटेश और नवीन कुमार, "पिज़ो एलेक्ट्रिक ट्रान्स्ड्यूसर अरेंजमेंट फॉर ग्रीन एनर्जी हार्वेस्टिंग, इन प्रोसीडिंग्स, इन प्रासीडिंग्स ऑफ थर्ड इन्टरनेशनल काफरेन्स ऑन अडवान्सस इन एनर्जी रिसर्च, अब्स्ट्राक्ट सं.030, आईआईटी बंबई, दिसंबर 9–11, 2011
- ✓ नवीन कुमार, जी विश्वनाथ और अनुराग गुप्ता, ए प्रोपोसल फॉर सिंगल थर्मल परफारमेन्स टेस्ट स्टैन्डर्ड फॉर डोमेस्टिक बॉक्स, टाइप एन्ड एस के-14, कनसट्रेंटिंग टाइप सोलर कूकरस, इन प्रोसिडिंग्स ऑफ थर्ड इन्टरनेशनल काफरेन्स ऑन एडवान्सिज इन एनर्जी रिसर्च, एबसट्रेक्ट नं.030, आईआईटी बंबई, दिसंबर 9–11, 2011 (बेस्ट पेपर अवार्ड)
- ✓ नवीन कुमार, विश्वनाथ जी और अनुराग गुप्ता, एन एक्सर्जी बेस्ड यूनिफाइड टेस्ट प्रोटोकॉल फॉर सोलर कुर्स, ऑफ डिफरेंट जेमेट्रीज फोक, वर्ल्ड रिन्यूवेबल एनर्जी कांग्रेस,लिकोपिंग, स्वीडन, पेपर सं.एसटीएच 061, मई 8–11, 2011
- ✓ शाहुल हमीद खान, ए न्यू कन्स्ट्रक्टिव बेस्ड अलगोरिथम फॉर पेरमुटेशन फलो शॉप शेडयूलिंग विथ मिनिमाइजिंग मेक्सपेन इन सेकन्ड एनुअल इन्टरनेशनल कांफरेन्स ऑन अडवान्सड टॉपिक्स इन आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स डयूरिंग नवंबर 24–25, 2011
- ✓ एस गंगा प्रसाद, एम सुदर्शन एन्ड एस जयवेल, नयूमरिकल स्टडी ऑन इन्फ्लूयन्स ऑफ ब्लोविंग ऑन लिड ड्राइवन केविटी फलो यूसिंग एलसीएस, प्रोसीडिंग्स ऑफ आईयूटीएम सिम्पोजियम ऑन ब्लफ बॉडी फलोज (ब्लबआफ2011) पेपर सं.83, आईआईटी कानपुर दिसंबर 12–16, 2011
- ✓ नाग कृष्ण चैतन्या के, अदील अहमद कुरेशी और एस जयवेल, डिजाइन और फेब्रिकेशन ऑफ ए रियेक्टर टु प्रोडयूस बयोडीजल फरोम नीम आइल। प्रोसीडिंग्स ऑफ रीसेन्ट ट्रेन्डस इन आल्टरनेट एनर्जी— 2011, पेपर सं.50, एनआईटी कलिकट, जून जून 9–10, 2011
- ✓ शाहुल हमीद खॉन, न्यू हयूरीसटीकसमेकपलान, मीन फलो टाइम एन्ड मेक्सिमम ट्रडीनस इन पेरमुटेशन फलो शॉप, इन्टरनेशनल काफरेन्स ऑन बिजनेस, इक्नोमिक्स, फाइनेंस एन्ड मेनेजमेंट साइंस, वेनिस, अप्रैल 11–13, 2012

पुरस्कार

- डॉ नवीन कुमार वत्स, को उनके षोध पत्र की प्रस्तुति पर अनतराष्ट्रीय सम्मेलन (एडवासिंज इन एनर्जी रिसर्च आई आई टी बाम्बे) में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रायोजित शोध प्रोजेक्टस

- डॉ नवीन कुमारवत्स – डिजाइन, डेवलेपमेंट अण्ड केकटरस्टीक्स ऑफ ऑल फाइबर इनटरफेरोमीटर फॉर वेवलेन्थ इन्टरलीवींग एंड टैम्प्रेचर सेन्सिंग एप्लीकेशन्स, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेकनॉलजी, रु16 लाख

पत्रिकाएँ/ सम्मेलन/ राष्ट्रीय संस्थान समिति सदस्यता

- डॉ एम. श्रीकुमार, आर्गनेजिंग को-चेयर, नेशनल कांफरेन्स ऑन डिजाइन अण्ड मेनुफेक्चरिंग (एनएसीओएनडीएम2011) मई 27-28, 2011
- डॉ बी. शिवसेलवन, मास्टर ऑफ साइन्स जीटीसी म, सी एस ई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेकनोलोजी, तिरुचिरापल्ली
- डॉ शाहुल हमीद खान – समीक्षक-इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एडवान्स्ड मेनुफेक्चरिंग टेकनॉलजी (आईजेएएमटी) एन्ड इन्टरनेशनल जनरल ऑफ प्रोडक्शन रिसर्च (आई जे पी आर)

आमंत्रित व्याख्या/ कार्यशाला

- डॉ नूर माहम्मद ने 16 सितम्बर 2011 को टी आई एफ ए सी – सी ओ आर ई, विमामल इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई 600 066 द्वारा आयोजित प्रवेसिव कम्प्यूटिंग एन्ड इसके अन्डरलाइंग तकनीकों नामक शोध सिम्पोजियम में फाल्ट टोलरेन्ट टिकथफिन्फग्रबल कम्प्यूटिंग पर मुख्य आख्यान प्रस्तुत किया।
- मार्च 17, 2012 को करनुल में पी एल एस आई डिजाइन टूल्स एट के ई सी पर एक दिन की कार्यशाला
- वीसीई हैदराबाद में वेलीडीक्टरी फंक्शन ऑफ सी ई टी ए के मुख्य अतिथि
- 24.3.2012 को अलगोरिथम एंड काम्प्लेक्सिटी रिलेटीउ टू आटोमेटा थियरी पर एक कार्यशाला के रूप में मद्रास किश्चयन कॉलेज, चेन्नईमें डॉ पी मासिलामणी अलगोरिथम फॉर कम्पाईलर डिजाइन यूजींग आटोमेटा थ्यूरी पर लेक्चर दिया।
- 17.3.2012 को वेलमल इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई में एन इन्ड्रोडेक्शन टू काम्प्लेक्सिटी थ्यूरी पर एक भाषण दिया।
- जनवरी 2012 को मैगना इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई में डॉ के सेल्वज्योति ने मैटलैब पर भाषण दिया।
- जनवरी 2012 को एस के आर इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई में डॉ बिन्सु जे केलात ने आमंत्रित भाषण दिया।
- राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मैप्स शिल्पशाला में मैप्स एवं उनके उपयोग पर डॉ बिन्सु जेकेलात ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- ✓ मार्च 2012 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा आयोजित ग्राफ एलगोरिथम शिल्पशाला में डॉ शालु एम ए ने सटरक्शन एवं इसके उपयोगों पर आमन्त्रित व्याख्यान दिया ।
- ✓ 5 दिसंबर 2011 को एस के आर इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित प्राध्यापक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यक्रम में आर्पीकल सिस्टम काम्पोजेन्ट्स पर डॉ नवीन कुमार ने आमन्त्रित व्याख्या दिया ।
- ✓ मुथैयम्माल इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा संचालित तथा ए आई सी टी ई द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शिल्पशाला “रोबोटिक्स का उद्योगिक स्वचालन उपयोग ” में डॉ श्रीकुमार ने रोबोटिक्स एवं सामानान्तर मेंकेनिसम, स्मार्ट सेन्सर तथा रोबोटिक्स उपयोगों में एकच्युटर पर भाषण दिया ।
- ✓ डॉ नवीन कुमार ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा गरीब छात्रों पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया ।

अनूठे पाठ्यक्रमों का प्रारंभ

- ❖ डॉ मासिलामणी – स्करिपटींग बैगवेजीज – पर्ल एण्ड पाईथॉन – यह एक 3 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है, जिसे कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के छात्रों को उपयोग उन्मुखी विकास विशेषकर नियमित भावों का उपयोग कर जी यू आई/ संरचना मिलान आदि के लिए तैयार करता है ।
- ❖ डॉ नूर महामद– अडवान्स्ड कम्प्यूटर आर्किटेक्चर – यह एक यू एस पी पाठ्यक्रम है जो छात्र द्वारा पूर्व पाठ्यक्रमों जैसे कम्प्यूटर ओप्रेनाइजेशन/ वी एल एस आई डिजाइन आदि से प्राप्त ज्ञान को आगे बढ़ाता है तथा उनको हार्डवेयर डिजाइन एवं सिम्यूलेशन के जरूरी कौशल से सुसज्जित करता है। 4 क्रेडिट वाले इस पाठ्यक्रम में अभ्यास सत्र भी सहभागी है जिसमें कुडा मशीन प्रयोग से बहु कोर प्रासेसर के डिजाइन एवं विकास के लिए आवश्यक प्रदर्शन कारकों का उत्तम मूल्य आंका जाएगा ।
- ❖ डॉ बी. शिवसेलवन – साफ्टवेयर इंजीनियरिंग – यह पाठ्यक्रम पारम्परिक साफ्ट इंजिनियरिंग पाठ्यक्रम से भिन्न है तथा इससे छात्रों का डाटाबेस प्रबंध प्रणालियों, साफ्टवेयर, अभिकल्प के साथ परस्पर सहयोजन संवाद की स्थापना के लिए जरूरी कौशल से सुसज्जित किया जाता है ।
- ❖ डॉ शालु – ग्राफ थ्योरी – गणित विद्या द्वारा प्रस्तावित यह एक उच्चस्तरीय एच्छिक पाठ्यक्रम है जिसमें ग्राफ आधारित समस्याओं/ उपयोगों निदान हेतु बेहतर अलगोरिथम की अभिकल्पना का मॉडल तैयार किया जाना सिखाया जाएगा ।
- ❖ डॉ विजयकुमार– रेडमाइजड अलगोरिथम्स – इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समय की अभिकल्पना आधारित अलगोरिथम की अन्तरात्मा सार दर्शन को उदाहरणों के साथ समझाना है । इसके साथ गणित में आक्समिकरण, लिनियर प्रोग्रामिंग तथा मार्कोव चेन की शक्तियों से छात्रों को अवगत कराना है ।
- ❖ डॉ राजा बी – डिजाइन ऑफ इलेक्ट्रानिक कूलिंग सिस्टम द्वारा इलैक्ट्रानिक्स उपकरणों में बेहतर उष्मा प्रसार के महत्व को समाहित करना है । वर्तमान में विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों जैसे एवियोनिक्स, उर्जा उत्पन्न करना, सुपर कम्प्यूटर एवं छोटे यंत्रों के प्रयोग होनेवाले इलैक्ट्रानिक्स उपकरणों को ठंडा रखनेवाली विभिन्न प्रणालियों को इस पाठ्यक्रम में

समझाया जाएगा। इस पाठ्यक्रम में यंत्रों के उष्मीय प्रबंध के संदर्भ में उनकी मैकेनिकल विश्वसनीयता को भी प्रारंभ किया गया है।

- ❖ डॉ शाहुल हमीद खॉन – लॉजिस्टिक्स एवं डिस्ट्रीबूशन मैनेजमेंट— यह पाठ्यक्रम वस्तुओं को टिकाने/ हटाने की प्रक्रिया का गहन अध्ययन करता है। छात्रों को सामान वितरण, परिवहन प्रबंधन, सविधा केन्द्रों तथा विपरीत अवस्था के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया जाएगा। इस पाठ्यक्रम द्वारा छात्रों के अंदर बेहतर फैसले लेने एवं प्रबंधीकरण के जरूरी कौशलों को उत्पन्न किया जा सकेगा।
- ❖ ऐस्थिटिक डिजाईन – संस्थान द्वारा प्रस्तावित इस अनूठे पाठ्यक्रम में छात्रों को अपने अभिकल्प कार्य में महत्वपूर्ण एवं जरूरी संघटकों जैसे सौंदर्य दर्शन आदि को बेहतर तरीके से अपनाने के लिए आवश्यक कौशल एवं व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

शोध कार्य एवं प्रयोगशाला सुविधाएं

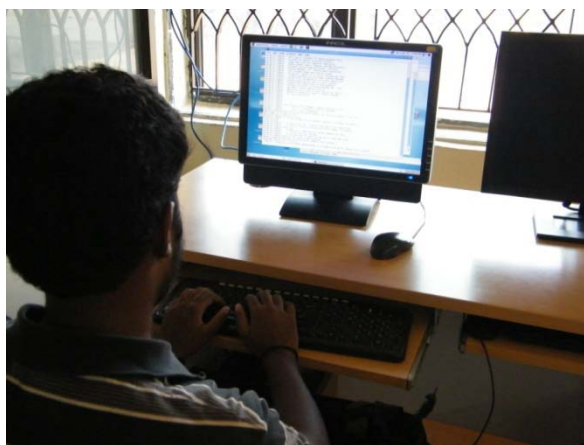
संस्थान के स्थाई परिसर में पारगमन के बाद विभिन्न विषयों की प्रयोगशालाओं की संख्या में नियमित रूप से वृद्धि दर्ज की गई है। संस्थान के स्थाई परिसर में स्थित प्रयोगशाला भवन के अन्दर की विभिन्न प्रयोगशालाओं के नाम इस प्रकार हैं : हयुमन कम्प्यूटर इंटरैक्शन, सिस्टम प्रोग्रामिंग लैब, डिजिटल प्रोटोटाइपिंग लैब, मैकेनिकल साइंस लैब, पावर इलक्ट्रानिक्स एवं ड्राइव लैब, सर्किट्स एण्ड सिस्टम्स लैब, ई डिजाइन लैब, तरंग एवं विद्युत चुम्बकीय लैब । प्रयोगशालाओं एवं वहाँ अभ्यासरत छात्रों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

- (i) हयूमन कम्प्यूटर इंटरैक्शन लैब : यह लैब कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विषय के अन्तर्गत आती है इसका उपयोग कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग ओब्जेक्ट ओरिटेड प्रोग्रामिंग स्क्रिप्टिंग भाषाएँ एवं साफ्टवेयर इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के अभ्यास सत्र चलाने में होता है यह प्रयोगशाला उन पाठ्यक्रमों को प्रस्तावित करती है जो कम्प्यूटर इंजीनियरिंग प्रासंगिक हो तथा बेहतर प्रभावशाली/ कुशल एवं प्रयोज्य साफ्टवेयर की अभिकल्पना एवं विनिर्माण में सहायक हो। इस प्रयोगशाला में 21 कम्प्यूटर सिस्टम है जिनमें उच्च अंतवाले डैल वर्कस्टेशन तथा डैस्कटॉप भी शामिल हैं। संस्थान की कम्प्यूटिंग/ अभ्यास पाठ्यक्रमों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संजाल ढाँचा जैसे की आई एस डी एन उपकरण, संजाल वितरण बटन, फायरवाल, अतिरिक्त बेतार संप्रेषण पथ नियंत्रक, फुजित्सु, विंडो सर्वर, आई बी एम हैबियन लाइनैक्स सर्वर आदि उपलब्ध हैं। कम्प्यूटर संरचना, उच्च श्रेणी डाटा साफ्टवेयर / अल्गोरिथम, डाटा बेस मैनेजमेंट, नोलेज इंजीनियरिंग, इमेज प्रासेसिंग आदि उन्नत पाठ्यक्रमों को चलाने हेतु संस्थान द्वारा हाल ही में एक व्यक्तिगत सुपर कम्प्यूटर सुविधा जिसका नाम कुडा (कम्प्युट युनिफाईड डिवाइज आर्किटेक्चर) मशीन है को खरीदा गया है।



- (ii) सिस्टम प्रोग्रामिंग लैब : कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विषय के अन्तर्गत सिस्टम प्रोग्रामिंग लैब में कम्प्यूटर ओरगनाइजेशन एवं माइक्रोप्रासेसरज, कम्प्यूटर आर्किटेक्चर, वी एल एस आई डिजाइन, डाटा स्ट्रक्चर स्ट्रक्चर एवं एअलगोरिदम, ओप्रेटिंग सिस्टम, कम्पाइलर डिजाइन, कम्प्यूटर डिजाइन नेटवर्क, इम्बेडेड सिस्टम आदि पाठ्यक्रमों के अभ्यास सत्र चलते हैं। इस लैब का मुख्य जोर ऐसे साफ्टवेयर की अभिकल्पना एवं विकास करना है जो हार्डवेयर के संवाद करें। इस प्रयोगशाला में हार्डवेयर, डिजाइन एवं माडलिंग साफ्टवेयर जैसे की जाइलिक्स इन्टीग्रेटेड सिमुलेटिड इन्वायरोमेंट (आई एस ई) जायलिक्स एम्बेडेड डेवलेपमेंट किट (ई डी के), काडैन्स, इलेक्ट्रानिक डिजाइन आटोमेशन (ईडीए), पूर्ण समूह, जाइलिक्स स्पार्टन 3ईकिट 8051/8086 माइक्रोप्रासेसर किट, इन्टरफेसिंग किट, एम एस पी

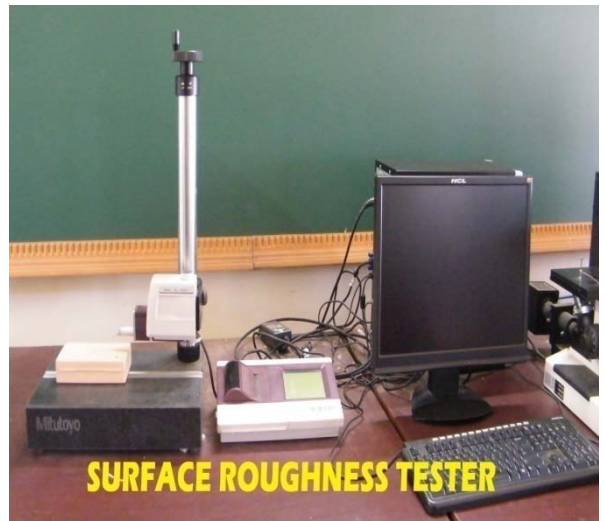
430, एमबेडेड सिस्टम किट आदि उपलब्ध है।। उपरलिखित सिमुलेशन साफ्टवेयरों की सहायता के लिए इंटरप्रोजेक्ट लाइनेक्स पर चलनेवाले 21 उच्च अंत वर्कस्टेशन भी इस प्रयोगशाला में रखे गए हैं। इसके अलावा इंटैल X 5690 6 कोर 3.47 गिगा हर्टज, प्रोसेसर, 32 गिगा बिट एवं 500 गिगा बी मेमोरी/ भंडारण, एनवीआई डी आईए व वाडेरा 5000 2.5 गिगा बिट ड्रैबल मोनिटर सहायता वाले शक्तिशाली इमेज प्रासेसिंग वर्क स्टेशन भी यहाँ की शोभा बढ़ाते है। इसका उपयोग कम्प्यूटर आधारित वीर्य विश्लेषण संबंधित शोध कार्यशालाओं में किया जाता है तथा इसको गहन एवं जटिल कम्प्यूटेशनल निगरानी रखनलेवाले कार्यों में उपयोग में लाया जाएगा।



- (iii) तरंग एवं विद्युत चुम्बकीय प्रयोगशाला : तरंग एवं विद्युत चुम्बकीय प्रयोगशाला में प्रकाश संबंधी विभिन्न तथ्यों पर प्रयोग किए जाते है। प्राजनेल लेंस, ग्रेटिंग आदि उपकरणों के जरिये प्रकाश की तरंगों में पारस्परिक हस्तक्षेप प्रक्रिया, विवर्तन आदि सिद्धांतों को समझने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयोग सिखाए जाते हैं। ऑप्टिकल फाइबर पर आधारित अनेक प्रयोगों द्वारा प्रकाश का तरंग पथ से प्रसारण समझाया जाता है। सूक्ष्म तरंगों एवं उनसे जुड़े हुए यांत्रिक गुणों का अध्ययन करने के लिए भी प्रयोग करवाए जाते हैं। पदार्थों के विद्युत एवं चुम्बकीय गुणों जैसे पारधुतिकता, प्रतिरोधता, चुम्बकीय संवेदनशीलता आदि का अध्ययन पी एच बाई 106पी पाठ्यक्रम में किया जाता है। यहां पर दो विद्युत संपदों का एक दूसरे पर असर का अध्ययन करने के लिए लिसाजस चित्रों को दोलनदर्शी पर देखा जा सकता है। उर्जा के परिमाणीकरण एवं प्रकाश के कण भाव/ रूप संबंधी जानकारी हेतु यंत्र विज्ञान परिमाण आधारित प्रयोगों की भी व्यवस्था की गई है।

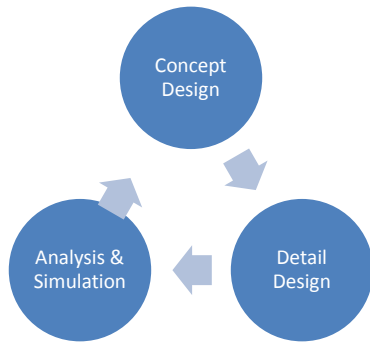
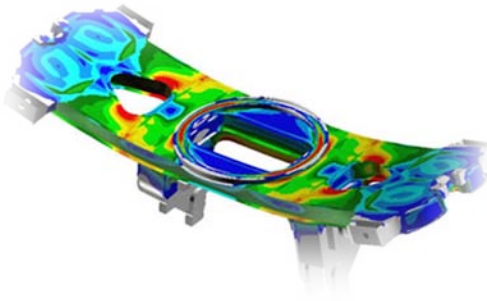


(iv) मैकेनिकल साइंस : कार्यशाला विज्ञान एवं उत्पादन, थर्मल इंजीनियरिंग, यंत्र विज्ञान, माप पद्धति आदि विषयों से संबंधी मूलभूत एवं उन्नत प्रयोग सत्र मैकेनिकल साइंस प्रयोगशाला में चलाए जाते हैं। पारंपरिक निर्माण मशीनों जैसे हस्तचलित चक्रयंत्र, खुदाई और पिसाई मशीन के अलावा छात्रों को सी एन सी चक्रयंत्र पीसाई क्रिया आदि से भी अवगत कराया जाता है। अभ्यास सत्रों के दौरान छात्रों को सी एमएम, 3 डी छपाई मशीन, उच्च अंत खुरदरापन परीक्षक, अंकिय सूक्ष्मदर्शी कठोरता परीक्षक आदि के साथ प्रयोगों के माध्यम से खुलकर संपर्क कराया जाता है। स्थिरता एवं गति के नाना प्रकार के पहलुओं प्रयोगों को प्रयोगशाला में स्थापित किया गया है। यंत्र विज्ञान में छात्रों की जानकारी बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयोगिक यंत्रों जैसे इन्सट्रोन तनन परीक्षक मशीन, एस ए सी, न्यूमैरिक्स रोबोटिक किट्स तथा उष्मीय इंजीनियरिंग आधारित व्यवहार परख उपकरणों से प्रयोगशाला को सुसज्जित किया गया है। नाना प्रकार के उष्मीय उपकरण जैसे उष्मा विनिमय इंजीन, रेफ्रिजरेशन ब्लोवर, पंखे, उष्मा हौदी तथा अन्य जरूरी द्रव प्रवाह संघटकों का व्यावहारिक रूप से विश्लेषण किया जाता है।



(v) अंकिय प्रारूप प्रयोगशाला (डीपीएल) :

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को उन जरूरी सुविधाओं को प्रदान करना है जो पृथक अभिकल्पना चरणों जैसे काल्पनिक अभिकल्प, विस्तृतों का प्रारूप तैयार करने में मददगार होते हैं। इस प्रयोगशाला में 45 उच्च अंतवाले वर्कस्टेशन उपलब्ध हैं जो विभिन्न प्रकार के प्रारूप तैयारक, प्रतिरूपण एवं सिमूलेशन साफ्टवेयरों से सुसज्जित हैं। इन वर्कस्टेशनों के अलावा यहां पर 20 वाकोम इनटयोस ग्राफिक टैबलेट भी रखे गए हैं। ये वर्क स्टेशन शक्तिशाली इन्टेल कोर 2, डूओ प्रोसेसर न्विडिय क्युड्रो एफ एक्स 1700 ग्राफिक कार्ड से शक्तियुक्त हैं पूर्व स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को चलाने हेतु प्रयोगशाला में उपलब्ध टैब्लेट तथा वर्कस्टेशन पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं प्रदान करते हैं। इस प्रयोगशाला में चलनेवाले पाठ्यक्रमों को मुख्यतः ग्राफिक्स आर्ट, उत्पाद अभिकल्प एवं दर्शन, इंजीनियरिंग, चित्रकारिता, सिमलेशन पढाई में बांटा जा सकता है। डीपीएल लैब, रेखाचित्र किताब प्रो अभिकल्प रेखाचित्र किताब, कोराल ड्रा, आटोकैड, डबल कैड, टी प्रो इंजीनियर, क्रयु, आदम्स, मैटलैब, एलगोर, ए यन सी माया तथा 3 डी मैक्स साफ्टवेयर से सुसज्जित है। अभिकल्प कौशल को अधिक तेज एवं सुदृढ बनाने के लिए छात्रों को छोटे छोटे प्राजेक्ट आबंटित किए जाते हैं जिसके संपादन के दौरान वे इंजीनियरिंग अभिकल्प संबंधी साफ्टवेयरों पर अभ्यास करते हैं उन्हें सिखाते हैं मई 2012 तक विभिन्न पाठ्यक्रमों की गतिविधियों के दौरान छात्रों ने डी पी एल प्रयोगशाला में 19 छोटे प्राजेक्ट, 46 गति संबंधी प्रोजेक्ट तथा 51 फाइनल ईट एलैमेंट विश्लेषण संबंधी प्रोजेक्ट पूरे किए।



(vi) शोध कार्य प्रयोगशाला : संस्थान में अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देने हेतु छात्रों के लिए एक शोधकार्य प्रयोगशाला समर्पित है जिसमें हर श्रेणी के छात्र बेरोक-टोक अपना शोध कार्य करते हैं। यह प्रयोगशाला मूलभूत एवं उन्नत इंजीनियरिंग के विषयों में अनूठे प्राजेक्टस तथा शोध समस्या समाधान को बढ़ावा/प्रोत्साहन देने के लिए सुविधाएं प्रदान करती है। यहाँ पर यूनिवर्सल टैसिंग मशीन, हार्डनेस टेस्ट, स्कैन इलैक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी, सूक्ष्मदर्शी इमेजर, कोर्डिनेट मापनेवाली मशीन, स्पटर कोटर आदि उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में प्रायोजित प्राजेक्टस संबंधी उपकरण भी रखे जाते हैं। प्रायोजित प्राजेक्टस संबंधी विषयों में प्रायोजक एजेसी द्वारा प्रदान अनुदान से काफी संबंधित उपकरण भी खरीदे गए हैं। जिसमें ऑप्टिकल स्पैक्ट्रम, विश्लेषण, स्पलाईस मशीन, आपटीकल फाइबर गुण दोष निर्धारक, कोल्ड बाय, फलो बॉयलिंग इन मिनी चैनल सुविधा, भौतिक उष्मिय गुण सुविधा आदि कुछ प्रमुख है।



संस्थान पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय अपनी शिशु अवस्था में होने के बावजूद उन्नत आर एफ आई डी सॉफ्टवेयर के निशुल्क स्रोत अनुवाद के ओ एचए (कोटा) से सुसज्जित है। यह सॉफ्टवेयर पुस्तकालय के दैनिक कार्यों जैसे किताब वितरण, पुनर्नवीकरण एवं उपयोगकर्ता खात प्रबंध को बेहतरीन तरीके से निपटान करने में सहायक है तथा हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर के परस्पर सहयोजन की वजह से पारंपरिक डाटाबेस उपयोग तकनीकों से बेहतर है। संस्थान पुस्तकालय में इंजीनियरिंग एवं सहायक क्षेत्रों जैसे प्रोग्रामिंग, मशीन की किताबें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। स्थाई परिसर में आगमन के बाद संस्थान ने अग्रणी जर्नलों/छपाई डाटाबेसों जैसे आई ई ई ई, ऐटसवीयर आदि के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए है। जिसमें संकाय के सदस्यों को इन जर्नलों के डाटाबेस में उपलब्ध शोध पत्रों तक बेरोकटोक पहुंच प्राप्त होगी। संस्थान में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के संस्करण, शीर्षक, पुस्तकों का विवरण नीचे तालिका 15 में दिया गया है।

तालिका 15 पुस्तकालय शीर्षक सांख्यिकी

क्रम सं	ग्रन्थालय पुस्तक विवरण	मात्रा
01	21 मार्च 2012 को रजिस्टर में दर्ज कुल पुस्तकों की संख्या	2130
ऑनलाइन जर्नल/ सब्सक्रिप्शन विवरण		
02	इन्डेस्ट कन्सोरटीयम के जरिये संस्थान ने अब तक 600 जर्नलों को ऑनलाइन सबसक्राइब किया है। (एल्सवीयर साइंस डायरेक्ट 175 + आई ई ई ई एक्सप्लोर 415)	590
03	एनपीटीईएल के विडियो एवं पाठ्य सामग्री में उपलब्ध हैं के डी सी रोम डाटा बेस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।	
पुस्तकालय की स्वचालित साफ्टवेयर प्रणाली (केओएचए)		
04	आर एफ आई डी सहायक तकनीक कोहा पर आधारित सम्पूर्ण पुस्तकालय प्रबंध	





LAB EQUIPMENTS (Developed by IIITD&M Kancheepuram)

अनुसंधान/ प्रयोगशाला सुविधाएँ

आभार

अन्त में, अपने बहुमूल्य समय एवं अथक प्रयासों द्वारा हमारा मार्ग दर्शन करने के लिए, मैं शासी बोर्ड के चेयरमेन एवं सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद अदा करता हूँ। शासी बोर्ड के सराहनीय सुझावों एवं आलोचनाओं का संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। आधुनिक समाज की दैनिक आवश्यकताओं के अनुसार परम्परिक तकनीकों के विकास का नवीन क्षेत्रों की विभिन्नता के साथ सामंजस्य बनाना ही संस्थान का नारा रहा है और यही शासी बोर्ड के सदस्यों का योगदान है। संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों को संवारने में भूमिका अदा करने के लिए मैं सीनेट के सदस्यों जो इस संस्थान के आई आई टी मद्रास, आई आई टी गुवहाटी, उद्योग विशेषज्ञ तथा अन्य राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठित संस्थानों से संबंध रखते हैं, को धन्यवाद करता हूँ। संस्थान द्वारा प्रस्तावित नवीन पद्धति के कार्यक्रम एवं अनूठे पाठ्यक्रम, सीनेट सदस्यों के गहन विचार विमर्श का नतीजा है। संस्थान के शैक्षणिक मामलों एवं गतिविधियों में पूर्ण रूप से सहयोग करने के लिए आई आई टी मद्रास एवं अन्य आई आई टी के संकाय सदस्य भी धन्यवाद के विशेष अधिकारी हैं। जब तक यह रपट पूरी तरह तैयार होगी तब तक छात्रों का द्वितीय बैच उत्तीर्ण हो चुका होगा, तथा मुझे पूरा विश्वास है कि संस्थान के पूर्व छात्र आई टी एवं आई टी सहायक निर्माण एवं अभिकल्पना कौशल वाली नई पीढ़ी को उत्पन्न करने के भारत सरकार के उद्देश्य दूरदर्शी सपने को साकार कर अपने लिए समाज में एक अलग जगह बनाएँगे। केन्द्रीय जनता कार्य विभाग (सीपीडब्ल्यू डी) के आई आई आई टी डी एम कांचीपुरम के निर्माण दल प्रभारी का भी हार्दिक धन्यवाद ईमानदारी से अदा करता हूँ।

श्री रवि एवं श्री अन्नामलाई की अध्यक्षता में सम्पूर्ण दल के अथक प्रयासों की वजह से भवन निर्माण कार्य रिकार्ड समय में पूरा कर संस्थान को हस्तांतरित कर दिया गया है। मैं संस्थान के छात्रों, स्टॉफ एवं संकाय सदस्यों को भी निष्कपट धन्यवाद देता हूँ।

संस्थान के प्रारम्भिक चरण में सुरक्षा, खानपान, निर्माण एवं रखरखाव संबंधित कार्यों में उत्कृष्ट सेवा देने के लिए ठेकेदारों एवं मजदूरों का आभार व्यक्त करता हूँ। संस्थान की तरफ से सबका धन्यवाद। जानेवाला वर्ष बहुत सारी महत्वपूर्ण गतिविधियों के कार्यान्वयन की वजह से बेहद घटनापूर्ण रहा तथा मुझे पूर्ण विश्वास है कि आनेवाले वर्षों में संस्थान नई ऊंचाईयाँ हासिल करेगा। जहां तक स्थाई परिसर के विकास की बात है तो यहाँ पर आरंभिक कार्य शुरू हो चुका है तथा मैं उम्मीद करता हूँ आनेवाले वर्षों में नई नई उपलब्धियाँ हासिल करेगे और संस्थान के दूरदर्शी सपनों को साकार करेंगे।

जय हिन्द